



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



OCMYB

वर्ष -12 अंक - 157

प्रयागराज, मंगलवार 06 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

सर्वे- ट्रम्प के कामकाज से 70फीसदी अमेरिकी असंतुष्ट,मिडटर्म में हार का खतरा

राष्ट्रपति के खिलाफ रिपब्लिकन पार्टी में बगावत तेज

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं। एपी-एनओआरसी सर्वे वे 5 मुताबिक, सिर्फ 30फीसदी अमेरिकी ट्रम्प के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रवृत्त रेटिंग 26फीसदी है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17फीसदी है। 65फीसदी से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों



नीतियों के खिलाफ कई रिपब्लिकन-आयोवा से सांसद और सीनेट उम्मीदवार एश्ले हिंसन और मिशिंगेन के सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। दोनों पहले ट्रम्प की सैन्य

कार्रवाई के समर्थक थे। आयोवा वे सांसद जैक नन और का प्रचार नहीं चाहते। अर्थव्यवस्था बड़ी कमजोरी, ट्रम्प को 26फीसदी सपोर्ट-रिपब्लिकन उम्मीदवारों की बेवैनी के पीछे सबसे बड़ा कारण अर्थव्यवस्था है। 24 से 28 सितंबर के एपी-एनओआरसी सर्वे में केवल 17फीसदी अमेरिकियों ने कहा कि वे ट्रम्प के जीवनयापन की लागत संभालने के तरीके से संतुष्ट हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रवृत्त रेटिंग सिर्फ 26फीसदी रही, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65फीसदी से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मान रहे हैं। 64फीसदी का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रम्प जरूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है कि वे महंगाई के खिलाफ प्रचार तो करना चाहते हैं,आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

मैरियानेट मिलर-मीक्स ने ट्रम्प की युद्ध शक्तियां सीमित करने के लिए डेमोक्रेट्स के साथ वोट किया। फ्लोरिडा की सांसद मारिया ने ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन नीति पर सवाल उठाए हैं। कई उम्मीदवारों ने कहा है कि वे ट्रम्प

रिपोर्ट-ओमानी पायलट ने फ्लेन क्रैश की साजिश अकेले रची थी,9/11 की तरह विमान को बिल्डिंग से टकराने वाला था

दुबई। दुबई से इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय कैप्टन स्मिथ मच्छर पर हमला करने वाला ओमानी को-पायलट हमाम अल-हमामी ने अकेले ही विमान को क्रैश करने की साजिश रची थी। रिपोर्टर्स के मुताबिक अभी तक उसके किसी संगठन या सरकार से जुड़े होने की जानकारी नहीं मिली है।इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमामी का प्लान कैप्टन स्मिथ को मारकर विमान को तेल अवीव में किसी ऊंची बिल्डिंग से टकराना था। उसने कॉकपिट में नमाज पढ़ने का बहाना बनाया और कैप्टन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि जब उसका पहला प्लान नाकाम होने लगा तो उसने विमान को रेगिस्तान में गिराने की कोशिश की। इस दौरान उसने ऑटोपायलट बंद कर दिया, जिससे विमान तेजी

से नीचे आने लगा। जांचकर्ताओं को शक है कि हमामी ने विमान के दोनों इंजन बंद करने की

वार करना शुरू कर दिया। शुरूआत में स्मिथ को लगा कि विमान का कोई हिस्सा उनके



कोशिश की थी। हमले के बाद कॉकपिट में पहुंचे यात्री-रिपोर्ट के मुताबिक, हमामी ने नजाम के दौरान इमरजेंसी के लिए रक्षे क्रैश एक्स यानी कुल्हाड़ी निकाली और पीछे से कैप्टन स्मिथ पर

सिर से टकराया है, लेकिन लगातार वार होने पर उन्हें समझ आया कि उन पर हमला हो रहा है। हमले में कैप्टन स्मिथ के सिर पर गंभीर चोट लगी और उनके हाथ पर भी गहरी चोट आई। काफी

खुन बहने के बावजूद उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमामी ने दरवाजा बंद कर दिया। फिर स्मिथ ने उससे मुकाबला करते हुए दोबारा दरवाजा खोला। कॉकपिट से आवाजें सुनकर ताली बर्कोविच नाम की एक महिला ने लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद कई यात्री और दो ऑफ-ड्यूटी पायलट कॉकपिट में पहुंचे। उन्होंने कैप्टन स्मिथ को गंभीर हालत में पाया और को-पायलट हमामी को काबू करने की कोशिश की। विमान की रफ्तार 970 किमी प्रति घंटे से ज्यादा पहुंची-रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे घटनाक्रम के दौरान विमान तेजी से जमीन की ओर गिर रहा था। उसकी रफ्तार 970 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा पहुंच गई थी। इस दौरान विमान का पिछला रडार क्षतिग्रस्त हो गया और को-पायलट हमामी ने कैप्टन स्मिथ की नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

चीन के लिए जासूसी के शक में अमेरिकी महिला गिरफ्तार,छिपकर ताइवान राष्ट्रपति के परिवार का वीडियो बनाया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की फंडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट से एक महिला को रविवार को गिरफ्तार किया। उस पर चीन सरकार के लिए काम करने का आरोप है। एफबीआई के अनुसार महिला ने छिपकर ताइवान के राष्ट्रपति



लाई चिंग-ते के परिवार का वीडियो बनाया। उसे ये काम एक चीनी अधिकारी ने दिया था। महिला की गिरफ्तारी उस समय हुई, जब वह लॉस एंजिल्स से शिपार्ड जाने वाली फ्लाइट में सवार होने वाली थी। कैलिफोर्निया में रियल एस्टेट एजेंट के तौर पर काम करती थी-गिरफ्तार महिला की पहचान वैनयिंग हीदर झांग (34) के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के इरविन में रियल एस्टेट एजेंट है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, झांग ने सितंबर 2025 में एक साथी के साथ सिएटल जाकर ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बेटे टिंग-यू लाई के घर की निगरानी की और वहां की तस्वीरें और वीडियो बनाए। चीनी अधिकारी को वीचैट पर मैसेज भेजकर जानकारी दी-एफबीआई की ओर से 3 अक्टूबर को दाखिल की गई शिकायत के मुताबिक, झांग और एक अन्य व्यक्ति 1 सितंबर 2025 को लास वेगास से सिएटल पहुंचे थे। उन्होंने वहां एक काली निसान राग गाड़ी किराए पर ली और राष्ट्रपति के बेटे के घर के पास पहुंचे। पड़ोसी के सुरक्षा कैमरे की तस्वीरों में दोनों को वीडियो बनाते देखा गया। एफबीआई के मुताबिक, झांग ने चीन के एक कथित सरकारी अधिकारी को वीचैट पर मैसेज भेजकर बताया था कि उसने टिंग-यू को देख लिया है। झांग के आईकलाउड आउट की तलाशी के लिए मिले वारंट के जरिए एफबीआई ने ये मैसेज हासिल किए। उसने यह भी लिखा कि वह वीडियो रिकॉर्ड कर रही है और दो गाड़ियों के नंबर भेजे। एफबीआई एजेंट केविन होल्ड ने शिकायत में लिखा कि झांग कम से कम दो ऐसे लोगों के संपर्क में थी, जो चीन सरकार के लिए काम करते हैं। जून में चीनी अधिकारी से मिलने चांगशा गई थी महिला:-एफबीआई की शिकायत के

अनुसार, झांग को जून 2025 में उसकी पुरानी यूनिवर्सिटी के एक क्लबहाउस में चीन के एक सरकारी अधिकारी से मिलवाया था। झांग ने जून में चीन के चांगशा शहर में एक निजी कमरा बुक किया था, जहां उसकी कथित तौर पर उस अधिकारी से मुलाकात हुई। शिकायत के मुताबिक, अधिकारी ने उसे निगरानी से जुड़ा काम दिया था। इसके बाद झांग ने मैसेज में कहा था कि वह यह काम संभाल लेगी। एफबीआई ने बताया-राष्ट्रपति पर दबाव बनाने में इस्तेमाल हो सकती थीं तस्वीरें-एफबीआई एजेंट होल्ड ने शिकायत में कहा कि अगर चीन किसी संभावित संघर्ष के दौरान ताइवान के राष्ट्रपति पर दबाव बनाना चाहता है, तो उनके करीबी रिश्तेदारों की लोकेशन, घर और गाड़ियों की तस्वीरें उसके लिए उपयोगी हो सकती हैं। झांग के पति एंड्रयू डिंग, जो उसी रियल एस्टेट कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि उन्हें अभी मामले के बारे में जानकारी नहीं है। ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे डच कंपनी फिलिप्स में काम करते हैं-टिंग-यू लाई इंजीनियर हैं और अमेरिका में पढ़ाई कर चुके हैं। उन्होंने 2012 में केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी से बायोइंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री और यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन से पीएचडी की। टिंग-यू अब नीदरलैंड की बहुराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी फिलिप्स में काम करते हैं। ताइवान की मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, उनकी पत्नी भी ताइवानी हैं। दोनों की शादी 2018 में हुई थी और उनका बच्चा 2020 में अमेरिका में पैदा हुआ। अमेरिका में पहले भी चीन से जुड़े जासूसी के मामले सामने आ चुके हैं:-2024: शुजून वांग नाम के 75 वर्षीय व्यक्ति को चीन के लिए जासूसी करने का दोषी पाया गया था। उस पर न्यूयॉर्क में चीन समर्थक जानकारी जुटाकर 17 साल तक बीजिंग भेजने का आरोप था।2023: न्यूयॉर्क में चल रहे एक कथित चीनी 'पुलिस स्टेशन' से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि इसका इस्तेमाल चीन ने आलोचकों पर नजर रखने के लिए किया जाता था। 2026: कैलिफोर्निया की पूर्व मेयर ईलीन वांग पर चीन के लिए एजेंट की तरह काम करने का आरोप लगा। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने चीन समर्थक प्रचार के बदले पैसे लिए थे।

अमेरिका ने ब्रिटिश एयरवेस से बी-1 बॉम्बर हटवाया,आतंकी साजिश के शक के बाद सुरक्षा बढ़ाई थी, आरोपियों की जमानत पर ट्रम्प नाखुश थे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने ब्रिटेन के फेयरफोर्ड एयरबेस से अपने सभी बी-1 बॉम्बर विमान वापस बुला लिए हैं। यहां करीब 12 बी-1 बॉम्बर तैनात थे। पेंटागन ने रविवार को इसकी पुष्टि की। हाल ही में इस एयरबेस की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। आतंकी साजिश के शक में यहां से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में सभी आरोपियों को जमानत मिल गई थी। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाराजगी जताई थी। एयरबेस के पास 3 वैन मिली थीं-पिछले रविवार को इंग्लैंड में एयरबेस के पास व्हेल्फोर्ड गांव में रहने वाले एक किसान ने सड़क पर तीन वैन खड़ी देखीं थी। उसके मुताबिक, कई नकाबपोश लोग वहां मौजूद थे और बाद में मौके से फरार हो गए। एक महिला ने पुलिस को 3 संदिग्ध वैन के बारे में जानकारी दी थी। पुलिस को सूचना मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई और एयरबेस के आसपास 85 घंटों

को खाली कराया गया। तस्वीरों में इन वैन के अंदर बैरल जैसी चीजें दिखाई दीं थीं। इनमें से एक वैन पर एक फर्जी लोगो और फोन नंबर लगा था, जिससे वह किसी असली डीजल सफाई कंपनी की गाड़ी जैसी लग रही थी। जांच में वैन से कोई विस्फोटक नहीं मिला। नेशनल काउंटर टैरिज्म पुलिसिंग के प्रमुख लॉरेंस टेलर ने बताया था कि वहां से कुछ मात्रा में पैट्रोल बरामद हुआ था। पांच ब्रिटिश पुरुषों को गिरफ्तार किया था-इस घटना के बाद लंदन के रहने वाले 23 से 25 साल की उम्र के पांच ब्रिटिश पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया। जांच के दौरान 1 अक्टूबर को लंदन से एक ब्रिटिश-ईरानी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, उसकी गिरफ्तारी फेयरफोर्ड एयरबेस के पास हुई संदिग्ध घटना की जांच के सिलसिले में की गई थी। बाद में उसे भी जमानत पर रिहा कर दिया

गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आरोपियों को जमानत मिलने पर कहा था कि वह ऐसा नहीं करते। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मामले में किसी विदेशी ताकत (ईरान) के शामिल होने की आशंका जताई थी। ईरान ने बाद में इन आरोपों को खारिज कर दिया था। ईरान के खिलाफ ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल हो रहा था फेयरफोर्ड-ब्रिटेन ने मार्च में अमेरिका को आरएफ फेयरफोर्ड का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ खास रक्षात्मक अभियानों के लिए करने की अनुमति दी थी। इसके बाद से अमेरिकी बॉम्बर और दूसरे सैन्य विमान यहां से उड़ान भरते और लैंडते देखे गए हैं। यह एयरबेस 1944 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान खोला गया था। इस एयरबेस का रनवे करीब 9,990 फीट यानी 3 किलोमीटर लंबा है। यूरोप वे उन चुनिंदा एयरफील्ड में इसकी गिनती होती है, जहां भारी बॉम्बर विमानों को उतारा और उड़ाया जा सकता है।

यमन ने हूतियों को भगाने के लिए फौज भेजी,इनके कब्जे में देश का एक-तिहाई हिस्सा, यहां 80फीसदी आबादी रहती है

सना। यमन की सऊदी समर्थित सरकार ने हूती विद्रोहियों को खदेड़ने और कब्जे वाले इलाकों को वापस लेने के लिए फौज भेजना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति राशद अल-अलीमी ने रविवार को इसका ऐलान करते हुए कहा कि सीजफायर सेना पूरे यमन में राज्य का नियंत्रण बहाल करेगी। यमन में हूतियों का करीब एक-तिहाई इलाके पर नियंत्रण है। यहां देश की करीब 80फीसदी आबादी रहती है। यही वजह है कि हूतियों का क्षेत्रफल कम होने के बावजूद उनका देश की आबादी और अहम शहरों पर बड़ा प्रभाव है। हूतियों ने यमन के पश्चिमी तट पर कब्जा बढ़ाया-हूतियों ने पिछले 48 घंटों में यमन के पश्चिमी तट पर कई रणनीतिक पहाड़ियों पर कब्जा किया है। अगर हूती इस इलाके को सरकारी इलाके से काट देते हैं, तो सरकार पूरी तरह इस पर नियंत्रण खो देगी। हूतियों ने इस इलाके में यमन के तीसरे सबसे बड़े शहर ताइज पर भी कब्जा बढ़ाया है। यहां सैकड़ों लोग रहते हैं और हजारों सरकारी समर्थक लड़ाके भी तैनात हैं। शहर पर दबाव बढ़ने से आम लोगों के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यमनी पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक मोहम्मद अल-कादी के मुताबिक, आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा हूतियों को मजबूत रक्षा स्थिति देता है। इससे तट की ओर होने वाली किसी भी सैन्य कार्रवाई का सामना करना उनके लिए आसान



मंदेब स्ट्रेट के आसपास भी अपनी स्थिति मजबूत की है। यह लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाला अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। दुनिया का 12फीसदी तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। हाल ही में हूतियों ने दक्षिणी लाल सागर में दो और अहम द्वीपों ग्रेटर हनीश और लेसर हनीश पर कब्जा कर लिया है। ये द्वीप बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से करीब 160 किमी उत्तर में हैं। इन पर कब्जे से लाल सागर के समुद्री रास्ते पर उनका दबदबा और मजबूत हो गया है। यूरोप और एशिया के बीच आने-जाने वाले जहाजों के लिए यह रास्ता बेहद अहम है। ऐसे में इस इलाके पर हूतियों का नियंत्रण बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर भी असर पड़ सकता है। होर्मुज स्ट्रेट में तनाव के बीच बाब अल-मंदेब की अहमियत और बढ़ गई है। 12 साल से चल रही है यमन

में लड़ाई-यमन में सरकार और हूतियों के बीच करीब 12 साल से लड़ाई चल रही है। सऊदी अरब यमन की सरकार का समर्थन करता है, जबकि हूतियों को ईरान का समर्थन मिलता है। 2022 में दोनों पक्षों वे बीच की सीजफायर हुआ था। इसके बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई काफी कम हो गई थी। अब हूतियों की बढ़त के बाद यमन में फिर बड़े गृहयुद्ध का खतरा पैदा हो गया है। युद्ध से यमन पहले ही गंभीर मानवीय संकट में है। देश का बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो चुका है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के मुताबिक, कुछ इलाकों में हर 4 में से 3 परिवारों को पर्याप्त खाना नहीं मिल रहा। नई लड़ाई में हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं।ऐसे में अगर सैन्य अभियान लंबा चला, तो यमन में भूख और विस्थापन का संकट और बढ़ सकता है। सऊदी अरब भी हूतियों पर हमला कर सकता है-सऊदी अरब भी यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग शुरू करने की तैयारी कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी 1 लाख से ज्यादा सैनिकों को उतार सकता है। इसका मकसद बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को हूतियों के कब्जे से छुड़ाना और समुद्री व्यापार का रास्ता सुरक्षित करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के सामने सैन्य कार्रवाई के दो विकल्प हैं-पहला विकल्प: बाब अल-मंदेब के आसपास सीमित हमला करके समुद्री रास्ते को सुरक्षित करने की कोशिश की जाएगी।

जयशंकर बोले- जब दुनिया पाकिस्तान के पीछे खड़ी थी तब भारत के साथ रूस था,70 साल में कश्मीर समेत 4 मसलों पर समर्थन किया- एस जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि जब पूरी दुनिया पाकिस्तान के साथ खड़ी थी, तब रूस ने भारत का साथ दिया। दिल्ली में यूनिक्स सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने कहा कि-‘भारत-रूस के रिश्ते लंबे समय से अच्छे रहे हैं। नई दिल्ली के लिए मॉस्को

का समर्थन मिला, लेकिन रूस (तब सोवियत संघ) ने वीटो कर दिया, इसलिए प्रस्ताव पास नहीं हुआ। 1971 में अमेरिका ने पाकिस्तान का समर्थन किया था:-1965, भारत-पाक युद्ध -चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया। उसने भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सीमा पर

ने रूस-यूक्रेन जंग रोकने पर बातचीत की-जयशंकर ने यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का पुराना रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत, कूटनीति और समझौते का रास्ता अपनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार यही बात कह चुके हैं। उन्होंने 2022 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा था कि आज का दौर युद्ध का नहीं है। जयशंकर ने कहा कि भारत ने रूस और यूक्रेन दोनों से बातचीत की है। इनमें ब्लैक सी में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, अनाज और ऊर्जा के निर्यात और अहम बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने जैसे मुद्दे शामिल रहे। एक हफ्ते में जयशंकर ने दूसरी बार अमेरिका पर तंज कसा-पहला- 29 सितंबर को न्यूयॉर्क वे एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में जयशंकर ने कहा था- भारत की चिंताओं में एक पाकिस्तान से आने वाला आतंकवाद है। अगर अमेरिका इस चिंता को नहीं समझता, तो इसका असर भारत-अमेरिका रिश्तों पर पड़ता है। दूसरा- 4 अक्टूबर को जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में दो बड़े बदलाव दिख रहे हैं। अमेरिका अपनी नीतियों के कारण दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है। वहीं चीन का बढ़ता असर देशों के बीच मुकाबला बढ़ा रहा है।



के साथ रिश्ते सिर्फ आज की स्थिति से तय नहीं होते।’ दरअसल रूस ने वीते 70 साल में कश्मीर समेत 4 अहम मसलों पर भारत का समर्थन किया है। रूस ने यूएन में भारत के लिए वीटो इस्तेमाल किया था:-20 फरवरी 1957 को ऑस्ट्रेलिया, क्यूबा, ब्रिटेन और अमेरिका ने कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक प्रस्ताव रखा था। इसमें कश्मीर में अस्थायी यूएन फोर्स भेजने के विचार को आगे बढ़ाने की बात थी। प्रस्ताव को 9 देशों

सैनिक तैनात किए। ईरान और तुर्किये ने भी पाकिस्तान का समर्थन किया। ईरान ने उसे हथियार और ईंधन भी दिया। 1971, बांग्लादेश युद्ध -अमेरिका पाकिस्तान के समर्थन में था। उसने अपना युद्धपोत बंगाल की खाड़ी की ओर भेजा था। चीन भी पाकिस्तान के साथ खड़ा था। 1971 में ईरान का समर्थन - ईरान ने भी पाकिस्तान की मदद की। उसने पाकिस्तान के लिए हथियार जुटाने में मदद की और सैन्य सामान उपलब्ध कराया। जयशंकर बोले- भारत

सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला शहडोल।रविवार को मुख्यमंत्री में रेन वाटर हार्वेस्टिंग भी



जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम बोडिड्या में संचालित गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने गौशाला संचालक से चारागाह हेतु आरक्षित भूमि, गौकाष्ठ, जैविक खाद, पानी की उपलब्धता, गौशाला में गौवधों की संख्या सहित अन्य जानकारी प्राप्त की। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि गौशाला में बायोगैस बननाया जाए एवं गोबर से अगरबत्ती बनाने का कार्य किया

लगवाएं। गौशाला संचालक ने सीईओ जिला पंचायत को अवगत कराया कि गोबर से कंड़े बनाने का कार्य किया जा रहा है एवं रिक्ट पड़ी भूमि पर जैविक खाद का उपयोग कर खेती की जा रही है जिससे लगभग सलाना 30 से 35 हजार रुपये की आय अर्जित हो जाती है। सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला के बेहतर संचालन एवं वहां की व्यवस्थाओं की सराहना भी की। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, तहसीलदार गलेक्सी नागपुरे, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा को लेकर सपा में शहीद स्थल पर किया प्रदर्शन, पुलिस से तीखी झड़प।
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।रविवार को मुख्य



चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा के लिए सपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शहीद स्थल पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका गया, इस बीच पुलिस और सपाईयों के बीच

कुछ कार्यकर्ता को मामूली चोटें भी खाईं हैं। धरने में वीरेंद्र यादव, शशिकांत शर्मा, ओ.पी. यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरखती: सेक्स रैकेट संचालन मामले में एडीजी चौकी प्रभारी निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। मानव विहार

सोनी की गिरकर मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सेक्स रैकेट



अपार्टमेंट से जुड़े सेक्स रैकेट संचालन और 25 सितंबर को हुई 31 वर्षीय आभूषण कारोबारी भूपेंद्र सोनी की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

एडीजी पुलिस चौकी प्रभारी को निलंबित कर जांच बैठा दी गई है।

चौकी प्रभारी कांशीराम से भी पूरे मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

बताया गया कि नैनी क्षेत्र के मानव विहार अपार्टमेंट में लंबे समय से सेक्स रैकेट संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही थीं।

25 सितंबर को अपार्टमेंट में थाना घूरपुर क्षेत्र के चंपतपुर निवासी आभूषण कारोबारी भूपेंद्र

संचालित करने के आरोप में तीन महिलाओं और दो युवकों को रुपये के लेनदेन में धोखाधड़ी के आरोप में

जेल भेजा गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई शुरू की।

डीसीपी कार्यालय खुलने के बाद फरियादियों की शिकायतों की जांच कर दोषी और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में पूर्व इंस्पेक्टर नैनी बूज किशोर गौतम, पूर्व नैनी कस्बा चौकी प्रभारी, एडीजी चौकी प्रभारी और अरैल चौकी प्रभारी के निलंबन से विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ महालक्ष्मी पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहनेश्वर

का आरंभ शाम 5:00 बजे से हुआ सर्वप्रथम मुख्य यजमान

हरसिंगार की माला पहनाई गई इसके पश्चात सभी भक्तों को



धाम चंदापुर मंदिर रायबरेली में दिनांक 3 अक्टूबर 2026 दिन

जगमोहन दीक्षित, महेश सिकरिया, मंदू शुक्ला, नीतीश



शनिवार को वैभव लक्ष्मी पूजन बड़े धूमधाम से एवं उल्लास पूर्ण वातावरण में मनाया गया। संपूर्ण व्यवस्था प्रभारी श्री धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 दिवसीय वैभव लक्ष्मी पूजन बाबा के दरबार में संपन्न हुआ। पूजन

मिश्रा ने माता लक्ष्मी की चांदी की प्रतिमा पर गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शंकर एवं पंचामृत से स्नान कराया तदुपरांत माताजी को लाल चंदन, रोली हल्दी सिंदूर समर्पित किया गया। इसके बाद गुलाब की माला कमल की माला एवं

श्री सूक्त एवं कनकधारा पाठ का संकल्प दिलाया गया आचार्य पंडित अभिषेक मिश्रा के द्वारा 16 पाठ श्री सूक्त एवं एक पाठ से कनकधारा स्त्रोत का स्वर पाठ किया गया मंदू शुक्ला ने बताया की 19 सितंबर 2026 से 16 दिवसीय पूजन आरंभ हुआ था जो दिनांक 3 अक्टूबर को अष्टमी तिथि पर पूर्ण हुआ इस अवसर पर राजीव दीक्षित, कृष्णकांत त्रिपाठी, मुन्नु त्रिवेदी, डॉ किरण श्रीवास्तव,डॉक्टर शकुलता सिंह, श्वेता मिश्रा, अपूर्व त्रिवेदी, सौम्या मिश्रा, शिशिर शुक्ला अनामिका शुक्ला, एवं मयंक श्रीवास्तव एवं राजेश सोनकर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही अंत में मां लक्ष्मी को मेवा की खीर, हलवा, केला अनार, नारियल का भोग लगाया गया और भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया रात्रि 8:00 बजे मां लक्ष्मी जी की आरती एवं बाबा की आरती संयुक्त रूप से संपन्न हुई जिसमें हजारों की भीड़ मंदिर पर उपस्थित रहे।

सरस्वती हाईटेक सिटी में बनेगा होटल, औद्योगिक क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सरस्वती हाईटेक सिटी में खाली पड़ी जमीन के बेहतर इस्तेमाल को लेकर नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बलकार सिंह ने शुक्रवार को प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण वेडू दौरान आईएमसी में बीपीसीएल की पुरानी संरचनाओं और भूखंडों के व्यावसायिक उपयोग पर चर्चा हुई। डॉ. बलकार सिंह ने यहां डपीपीपी मॉडल पर लग्जरी होटल और मैरिज गार्डन विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही सरस्वती हाईटेक सिटी में सौंदर्यीकरण

और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया उन्होंने खाली हरित क्षेत्र को मनोरंजन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के साथ गेल्फ कोर्स और हेलीपैड की संभावनाओं पर भी चर्चा की। अधिकारियों को आर्वाटियों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बिसलेरी और वरुण बेवरेजेज के प्लांट का भी जायजा लिया गया और उत्पादन एवं संचालन की जानकारी ली गई। गांधी जयंती के अवसर पर वरुण बेवरेजेज परिसर से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। नैनी औद्योगिक क्षेत्र में खाली भूखंडों का जायजा लेने के साथ पौधरोपण कार्यक्रम भी

आयोजित किया गया। इस दौरान अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिता यादव, पीजीएम राजीव त्यागी, महाप्रबंधक पीके कौशिक, क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार और औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी मनीष लखा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरस्वती हाईटेक सिटी में प्रस्तावित होटल एवं अन्य व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए पूर्व में इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से आवेदन कर चुके आवेदकों को पहली प्राथमिकता दिए जाने की बात सामने आई है। पुराने आवेदकों के पूर्व आवेदन और निवेश प्रस्तावों को ध्यान में रखते हुए आगे की प्रक्रिया में उन्हें प्राथमिकता दी जा सकती है।

दुर्गापूजा, दशहरा और रामलीला को लेकर पीस कमेटी की बैठक, पुलिस ने दिया सहयोग और सुरक्षा का भरोसा,नैनी में पुलिस-प्रशासन और नागरिकों के बीच समन्वय पर जोर, त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की बनी रणनीति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नैनी/प्रयागराज। आगामी दुर्गापूजा, दशहरा एवं रामलीला के आयोजनों को शांतिपूर्ण,

पुलिस प्रशासन ने दिया सुरक्षा और सहयोग का भरोसा-बैठक का प्रमुख संदेश रहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए



सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से नैनी कोतवाली की पीस कमेटी की बैठक कर्ण घोड़ा स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन ने त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और आयोजकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी करछना कुंजलता, थाना प्रभारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न चौकियों के प्रभारी तथा विधुत विभाग, नगर निगम एवं जल निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। नैनी व्यापार मंडल, व्यापार मंडल नैनी, सिविल डिफेंस और अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। बैठक का संचालन नैनी व्यापार मंडल वेडू महामंत्री घनश्याम जायसवाल ने किया।

रखने में पुलिस प्रशासन और आम नागरिकों की संयुक्त भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि कुंजलता ने आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। दुर्गापूजा पंडालों, दशहरा आयोजनों और रामलीला मंचन के दौरान शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन का सहयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में बिजली, पेयजल, सफा-सफाई और अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई। आयोजनों के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों से आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई। व्यापारियों और सामाजिक

रामलीला समिति के अध्यक्ष सोनु यादव, रणविजय सिंह डब्लू, दिलीप केसरवानी, बालराज पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह, नयन कुशावाहा, विवेक पांडेय, योगेश सिंह, बबलू पेंटर, रजत दुबे, पूर्व प्रधान शिवशंकर दीक्षित, राजेश जायसवाल, मानस रामलीला कमेटी के अध्यक्ष धीरेन्द्र यादव, चीनी मिल रामलीला कमेटी के अध्यक्ष विनय जायसवाल सहित अनेक व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।बैठक में सभी से आपसी सौहार्द बनाए रखने, प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में पुलिस को तत्काल सूचना देने की अपील की गई।संदेश स्पष्ट है-पुलिस, प्रशासन और जनता के आपसी सहयोग से ही त्योहारों की खुशियां सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाई जा सकती हैं।

सद्गुरु कबीर महिला मठ की विरासत संभालेंगी साध्वी संगीता कुमारी,ज्ञान सरोवर दास की स्मृतियों में उमड़ा संत समाज!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के ग्राम चकिया घाट स्थित सद्गुरु कबीर धर्म मंदिर महिला मठ में श्रद्धांजलि

ग्रामीण और श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा के अनुसार आर्थिक सहयोग, अंगवस्त्र और अन्य सामग्री



एवं तेरहवीं संस्कार के दौरान गुरु-शिष्य परंपरा का भावुक दृश्य देखने को मिला। करीब 25 वर्षों से सेवाभाव से जुड़ी अपनी सद्गुरु महिला महंत साध्वी ज्ञान सरोवर दास के सान्निध्य में सेवा, साधना और समर्पण की राह पर चलने वाली साध्वी संगीता कुमारी अब मठ की विरासत संभालेंगी। 17 सितंबर 2026 की सुबह करीब छह बजे महंत ज्ञान सरोवर दास के निधन की खबर से संत समाज और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। तेरहवीं संस्कार में दूर-दराज से पहुंचे करीब तीन से चार हजार श्रद्धालुओं ने नम आंखों से अपनी सद्गुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किए। बताया गया कि महंत ज्ञान सरोवर दास ने जीवनकाल में ही साध्वी संगीता कुमारी को अपना उत्तराधिकारी निर्धारित किया था और मठ की धार्मिक परंपरा चल-अचल संपत्ति की जिम्मेदारी उन्हें सौंपने की व्यवस्था की थी। सद्गुरु की निधन के बाद भी साध्वी संगीता ने धैर्य नहीं खोया और उनके विचारों तथा सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। आयोजन में बड़ी संख्या में संत-महंतों के साथ

अर्पित की। संतों के भजन और प्रवचनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। संत रामसनेही दास, महंत श्रद्धा भगवान शास्त्री सहित अन्य संतों

अधिकारी देवरिया बलिराम जी की मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। संत समाज ने साध्वी संगीता की सेवा भावना और सद्गुरु के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। उनके पिता स्वर्गीय श्यामलाल संत और माता विमला देवी के संस्कारों का भी उल्लेख किया गया। साध्वी संगीता ने मठ की सेवा परंपरा को और मजबूत करने के लिए दूर-दराज से आने वाले संतों के ठहरने हेतु पांच से सात संत कक्षों के निर्माण की पहल की है। श्रद्धांजलि सभा में सद्गुरु की तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित करते समय साध्वी संगीता की आंखें नम हो गईं और उन्होंने गुरु के अधूरे कार्यों को पूरा करने का मौन संकल्प लिया। संतों और ग्रामीणों ने कहा कि



ने सद्गुरु कबीर के मानवता और भाईचारे के संदेश को जीवन में उतारने का आह्वान किया। संतों ने कहा कि धर्म और जाति की दीवारों से ऊपर उठकर इंसानियत को सर्वोच्च स्थान देना ही कबीर की सच्ची शिक्षा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ आईएएस एवं पूर्व जिलाधिकारी देवरिया के, रविंद्र नायक व सेवानिवृत्त प्रशासनिक

महंत ज्ञान सरोवर दास भले ही देह रूप में उनके बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, संस्कार और सेवा की विरासत साध्वी संगीता के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। चकिया घाट का यह आयोजन श्रद्धांजलि के साथ गुरु-शिष्य परंपरा और मानवता की सेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प भी बन गया।

करछना तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस पर बड़ा एक्शन, 17 अधिकारियों के खिलाफ नोटिस और चेतावनी!

51 मामलों की जांच में 15 प्रकरणों पर मिला असंतोषजनक फीडबैक, राजस्व और अन्य विभागों के कर्मचारियों पर प्रशासन सख्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। करछना तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी, प्रयागराज के निर्देश पर पिछले तहसील दिवस में निस्तारित मामलों की रैडम आधार पर जांच कराई गई, जिसमें कई प्रकरणों में निस्तारण पर शिकायतकर्ताओं ने असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद कुल 17 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस, स्पष्टीकरण, चेतावनी तथा प्रतिकूल प्रविष्टि जैसी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त प्रेसनोट वेडू अनुसार, 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से कराया गया।इस जांच में 15 ऐसे मामले सामने आए, जिनमें शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रशासन ने इसे गंभीरता

से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू की है। लापरवाही पर प्रशासन की सख्ती- जिलाधिकारी के निर्देश पर सतही आख्या प्रस्तुत करने वाले कर्मचारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने तथा संतोषजनक आख्या प्रस्तुत न करने वाले कर्मचारियों से कारण पूछने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्टीकरण देने और चेतावनी जारी करने की कार्रवाई भी प्रस्तावित की गई है। इन कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई के निर्देश-प्रेसनोट में उल्लिखित कर्मचारियों में लेखपाल विवेक कुमार शुक्ला, राजस्व निरीक्षक आकाश कुमार, लेखपाल अमरीश कुमार पाण्डेय, वन दरोगा शुभम कुमार यादव, उप निरीक्षक सचिवदानन्द सिंह तथा लेखपाल मुकुल यादव के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस का उल्लेख है। इसके अतिरिक्त जानकी शरण सिंह, निवेश पाण्डेय, सीमा पाल, विजय कुमार, राजेन्द्र पाण्डेय, सुभाष

कुमार सिंह, सुरेश कुमार, रवि कुमार तथा राजस्व निरीक्षक मौ. अहमद सहित अन्य कर्मचारियों के संबंध में स्पष्टीकरण अथवा अन्य कार्रवाई के निर्देश दर्ज हैं। अमित यादव और धीरज सिंह के विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि का उल्लेख किया गया है, जबकि मुकुल यादव के संबंध में चेतावनी जारी करने की बात कही गई है।

शिकायतों के निस्तारण में जवाबदेही तय करने की पहल- प्रशासन की इस कार्रवाई को जनशिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना है। सिंह तथा लेखपाल मुकुल यादव के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस का उल्लेख है। इसके अतिरिक्त जानकी शरण सिंह, निवेश पाण्डेय, सीमा पाल, विजय कुमार, राजेन्द्र पाण्डेय, सुभाष

जय कामतानाथ एंटरप्राइजेज के माध्यम में क्रिएटर और पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

मानिकपुर में क्रिएटर और पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मानिकपुर चित्रकूट। मानिकपुर के कल्याण केन्द्र में रविवार को क्रिएटर और पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का

साथ हुआ। समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए डिजिटल क्रिएटर्स, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और वरिष्ठ पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पदका और स्मृति चिन्ह

संभं है। आयोजन समिति की ओर से ऋषि द्विवेदी (गौ रक्षक)ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सहयोगी ऋषि द्विवेदी, जय मिश्रा,अवशेष द्विवेदी,,राज त्रिपाठी



आयोजन के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे, जितेंद्र मोहन शुक्ला जी, जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के

देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज के डिजिटल युग में क्रिएटर और पत्रकार दोनों ही समाज का आईना हैं। निष्पक्ष और सच्ची पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा

श्रीयांस त्रिपाठी. सहित लोग उपस्थित रहे। पत्रकार जितेंद्र मोहन शुक्ला जी, राजेन्द्र त्रिपाठी जी एडवोकेट,पंकज कुमार जी, राहुल पाण्डेय डेटा एक्सपर्ट न्यूज, प्रमोद कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र में बड़नगर से वाराणसी जा रहे यात्रियों का भव्य स्वागत,स्वर्ण जयंती चौक पर विधायक भूपेश चौबे ने किया अभिनंदन, कार्यकर्ताओं ने यात्रा की सफलता की कामना की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्टसगंज और राप्ड़ के प्रति समर्पण का संदेश देती हैं। ऐसी यात्राएं



विधानसभा क्षेत्र के नगर मंडल स्थित स्वर्ण जयंती चौक पर बड़नगर से वाराणसी जा रहे यात्रियों का सदर विधायक भूपेश चौबे ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ यात्रियों का स्वागत करते हुए उनकी सुरक्षित व सफल यात्रा की मंगलकामना की। यात्रा इंचार्ज निकुंज ठाकुर भी मौजूद रहे। विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि बड़नगर से वाराणसी तक की यात्रा हमारी सांस्कृतिक विरासत, सेवा भावना

समाज में एकता, संस्कार और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने यात्रियों का सोनभद्र की धरती पर स्वागत करते हुए यात्रा की सफलता की कामना की। इस दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विशाल पांडेय, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, निवर्तमान मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी रजनीश रघुवंशी, राकेश सोनी, अजय श्रीवास्तव, विकास चौबे, आलोक रावत, वेद मिश्रा, मनोज कुमार समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रयागराज की सड़क पर अचानक स्पांट हुई मॉडल अवनी सिंह राजपूत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)प्रयागराज। संगम नगरी आत्मविश्वास, सादगी और फैशन का अनोखा मेल देखने



की सड़कों पर उस समय लोगों की नजरें ठहर गईं, जब मॉडल एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अवनी सिंह राजपूत बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। पारंपरिक साड़ी और स्टाइलिश सनग्लासेस में अवनी का यह लुक लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। अवनी सिंह राजपूत प्रयागराज की सड़कों पर उनका यह अचानक दिखना शहर के फैशन और मॉडलिंग जगत की चर्चा को एक बार फिर सुर्खियों में ले आया।

को मिला। सड़क से गुजरते लोगों की निगाहें भी कुछ पल के लिए उनकी ओर ठहरती नजर आईं। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो के जरिए पहचान बनाने वाली अवनी के इस इवेंस अंदाज और ग्लैमरस व्यक्तित्व का मेल खासा आकर्षक दिखाई दिया। प्रयागराज की सड़कों पर उनका यह अचानक दिखना शहर के फैशन और मॉडलिंग जगत की चर्चा को एक बार फिर सुर्खियों में ले आया।

ऐशबाग स्टेशन पर बना 'आई लव ऐशबाग' सेल्फी प्वाइंट, एलईडी फाउंटेन ने बढ़ाई खूबसूरती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने ऐशबाग जंक्शन

स्टेशन परिसर की सुंदरता में चार चांद लगा रही हैं। दिन के समय जहां फाउंटेन की

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में करें निराकरण-सीईओ जिला पंचायत बीएमओ ब्यौहारी को कारण बताओ नोटिस के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। सीईओ जिला पंचायत



श्री शिवम प्रजापति ने समय-सीमा की बैठक में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों एवं आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ब्यौहारी में आयोजित जनविश्वास शिविर में स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त आवेदनों का निराकरण नहीं होने पर बीएमओ ब्यौहारी को कारण

जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन को शासन की विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सहज और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना है। अधिकारियों द्वारा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में संबंधित

आमजन से प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें। जिन प्रकरणों का मौके पर निराकरण संभव नहीं है, उनका निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अभियान की गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आमजन को शासन की सेवाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर पर आईएच? ,एस और एडविन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड की कार्यशाला संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। इंटेलेक्चुअल

अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार त्रिवेदी के स्वागत भाषण से हुआ।

सलीम,डॉ राजीव सिंह ,डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. अमर



होम्योपैथिक ऑब्जेक्टिव सोसायटी (आईएचओएस), रायबरेली एवं एडवेन बायोटेक लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर इन होम्योपैथी' विषय पर एक विशेष चिकित्सकीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के अनेक होम्योपैथिक चिकित्सकों ने सहभागिता की तथा साइकोसोमैटिक रोगों के होम्योपैथिक उपचार एवं चिकित्सकीय अनुभवों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएचओएस

उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं एडवेन बायोटेक लिमिटेड के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यशाला में आईएचओएस के संरक्षक एवं प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. रमेश श्रीवास्तव, डॉ. क्रांति कुमार तथा डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने अपने-अपने महत्वपूर्ण चिकित्सकीय कেস प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में एडवेन बायोटेक लिमिटेड के सीनियर मैनेजर घनश्याम सिंह एवं आरएसएम मयंक सिंह ने कंपनी की औषधियों की गुणवत्ता एवं उत्पादों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद

शुक्ला, डॉ. दिलीप गुप्ता, डॉ. पवन वर्मा, डॉ. अदीबा फारूकी, डॉक्टर खालिदा खानम, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. अभिषेक पांडे, डॉ. डी.एन. शर्मा, डॉ. दलजीत सिंह ,डॉ आशीष श्रीवास्तव डॉ मनीष गुप्ता डॉ आशुतोष श्रीवास्तव डॉ गोपाल जी सिंहा, डॉक्टर अलकाब नजर सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आईएचओएस सचिव डॉ. रफ्त आलम ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं एडवेन बायोटेक लिमिटेड के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



गुलाब स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने की जिलाधिकारी से मुलाकात,इंटरनेशनल ट्रेड शो में रोजाना मॉल के साथ हुए एमओयू पर दी बधाई शुद्ध सरसों तेल, रागी उत्पाद और शहद की बिक्री को मिलेगा बड़ा बाजार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नोएडा में आयोजित चौथे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में सोनभद्र के करमा

बड़े बाजार से जोड़ने की पहल के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समूह की महिलाओं को बधाई

जोड़ने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में स्वयं सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गौरतलब



विकासखंड के गुलाब आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुले हैं। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे शुद्ध सरसों तेल, रागी उत्पाद और शहद को अब बड़े बाजार तक पहुंचाने के लिए रोजाना मॉल के साथ एमओयू हुआ है। इस समझौते के बाद समूह के उत्पादों की बिक्री और विपणन को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में सोमवार को गुलाब आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने जिलाधिकारी चर्चित गौड़ से मुलाकात की। महिलाओं ने इंटरनेशनल ट्रेड शो में रोजाना मॉल के साथ हुए एमओयू की जानकारी जिलाधिकारी को दी। साथ ही समूह के उत्पादों को

देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। इंटरनेशनल ट्रेड शो में स्वयं सहायता समूह और रोजाना मॉल के बीच साइन हुए एमओयू से महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने से महिलाओं को मेहनत का उचित मूल्य मिलेगा। बड़े बाजार से जुड़ने के बाद समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और वे आर्थिक रूप से और अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वरोजगार से

हैं कि चौथे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में गुलाब आजीविका स्वयं सहायता समूह और रोजाना मॉल के बीच उत्पादों की बिक्री को लेकर एमओयू साइन हुआ था। इसके तहत समूह की महिलाओं द्वारा तैयार शुद्ध सरसों तेल, रागी से बने उत्पाद और शहद को बड़े बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा।एमओयू से समूह की महिलाओं को अपने उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग, व्यापक ग्राहक वर्ग और नियमित बिक्री का अवसर मिलने की उम्मीद है। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले उत्पादों को नई पहचान मिलेगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार को भी मजबूती मिलेगी।

डीएम ने शासकीय भवनों, परियोजनाओं एवं विद्यालयों में विद्युत संयोजन कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश,समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से विद्युत संयोजन सुनिश्चित करने पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

भवनों में विद्युत संयोजन के स्थिति का विभागवार परीक्षण

स्थानों पर विद्युत संयोजन के लिए किसी प्रकार की तकनीकी अथवा विभागीय समस्या आ रही है, उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय भवनों एवं परियोजनाओं में उपलब्ध कराई जा रही विद्युत व्यवस्था मानकों के अनुरूप एवं सुरक्षित होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा विद्युत संयोजन से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात विद्युत विभाग की विभागीय समीक्षा कर रीस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने, समय सीमा के अंतर्गत ट्रांसफर बदलने व अन्य विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गए।



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शासकीय भवनों, विभिन्न निर्माणाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं तथा विद्यालयों में विद्युत संयोजन उपलब्ध कराए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा विद्युत संयोजन के लिए किए जा रहे कार्यों, लंबित प्रकरणों तथा आवश्यक कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित एवं पूर्ण हो चुकी शासकीय परियोजनाओं, विद्यालयों तथा अन्य सरकारी

करते हुए जहां विद्युत संयोजन लंबित है, वहां आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में विद्युत संयोजन के अभाव में भवनों का संचालन प्रभावित हो रहा है, ऐसे प्रकरणों को चिन्हित कर आपसी समन्वय से शीघ्र निस्तारित किया जाए।उन्होंने विद्युत विभाग एवं संबंधित निर्माणदायी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत संयोजन से संबंधित प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न हो तथा आवश्यक औपचारिकताओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराते हुए कार्यों को आगे बढ़ाया जाए, साथ ही, जिन

बैठक में अधीक्षण अभियंता विद्युत अखिलेश कुमार, धर्म विजय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप द्विवेदी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रणविजय सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत कपिल कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगरीय निकाय उप निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पीठासीन एवं प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न डीएम ने मतदान कर्मिकों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में आज विभागीय भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में नगरीय निकाय उप निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नगर पंचायत सलोन के रिक्त पद पर होने वाले उप निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने सभी मतदान कर्मिकों को निर्देशित किया कि माओ राज्य निर्वाचन निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं सजगता

के साथ करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मिक उपलब्ध कराई गई हैंडबुक का गहन अध्ययन कर ले तथा मतदान प्रक्रिया से संबंधित अपने सभी दायित्वों एवं आवश्यक तैयारियों की जानकारी पहले से सुनिश्चित कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मतदान कर्मिक अपनी-अपनी टीम के अन्य सदस्यों से पूर्व में ही संपर्क स्थापित कर लें तथा टीम के सभी सदस्यों के मध्य बेहतर समन्वय बनाए रखें। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि रवानगी स्थल से प्रस्थान करने से पूर्व प्राप्त की गई समस्त मतदान सामग्री का निर्धारित सूची के अनुसार भली-भांति मिलान कर लिया जाए। किसी भी सामग्री की कमी अथवा विसंगति पाए जाने पर तत्काल संबंधित

अधिकारी के सज्ञान में लाकर उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पंचायत सलोन के रिक्त पद पर होने वाले नगरीय निकाय उप निर्वाचन हेतु पोलिंग पार्टियों की रवानगी दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को तहसील सलोन स्थित सर्वोदय विद्यालय इण्टर कॉलेज सलोन से की जाएगी। मतदान सम्पन्न होने के उपरांत मतपेटियों एवं अन्य निर्वाचन सामग्री को वापस सर्वोदय विद्यालय इण्टर कॉलेज सलोन में बनाए गए स्ट्रॉज रूम में जमा कराया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।प्रशिक्षण के दौरान ग्राम्य विकास संस्थान रायबरेली

अनूप कुमार जी द्वारा पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम का मतदान प्रक्रिया, मतदान सामग्री के उपयोग, मतदान केन्द्र पर आवश्यक व्यवस्थाओं, निर्वाचन संबंधी प्रपत्रों को तैयार करने, मतदान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा मतदान समाप्ति के उपरांत निर्वाचन सामग्री को सुरक्षित रूप से जमा कराने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मिकों की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।जिलाधिकारी ने सभी मतदान कर्मिकों से कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी कर्मिक पूरी तत्परता, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य

करते हुए नगरीय निकाय उप निर्वाचन को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने में अपना योगदान दें।प्रशिक्षण में एक पीठासीन अधिकारी वीनोत कुमार त्रिवेदी सहायक अध्यापक पूरेबनिया जगतपुर तथा एक मतदान अधिकारी प्रथम रमेश कुमार, वरिष्ठ सहायक सिंचाई विभाग रायबरेली अनुपस्थित रहे हैं, जिनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द्र राय, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय) विनोद शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी एवं मतदान कर्मिक उपस्थित रहे।

स्टेशन के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और आकर्षक पहल की है। स्टेशन के प्लेटफार्म नजारा एक के प्रवेश द्वार पर 'आई लव ऐशबाग' सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया है। आधुनिक डिजाइन और भव्य स्वरूप वाला यह सेल्फी प्वाइंट यात्रियों, खासकर युवाओं और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है। स्टेशन पहुंचने वाले यात्री यहां रुककर सेल्फी लेने के साथ अपनी यात्रा की यादों को तस्वीरों में संजो रहे हैं। सेल्फी प्वाइंट के साथ स्थापित किया गया एलईडी फाउंटेन भी यात्रियों को खासा आकर्षित कर रहा है। रंग-बिरंगी रोशनी के बीच गिरती जलधाराएं

जलधाराएं परिसर को आकर्षक स्वरूप देती हैं, वहीं रात में रंगीन रोशनी के बीच इसका नजारा और भी मनोहारी दिखाई देता है। इससे ऐशबाग जंक्शन स्टेशन परिसर को नई पहचान मिलने के साथ यात्रियों के अनुभव में भी बदलाव आया है। मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने बताया कि यह पहल 'स्वच्छ व सुंदर स्टेशन' अभियान के तहत स्टेशन परिसर के सौंदर्यीकरण और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में किया गया प्रयास है। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के साथ

सुखद अनुभव मिलता है और स्टेशन की सकारात्मक छवि भी मजबूत होती है। 'आई लव ऐशबाग' सेल्फी प्वाइंट पर यात्री तस्वीरें लेकर उन्हें अपने परिचितों और सामाजिक माध्यमों पर साझा कर रहे हैं, जिससे ऐशबाग स्टेशन की खूबसूरती की तस्वीरें दूर-दूर तक पहुंच रही हैं। रेलवे की इस पहल से स्टेशन परिसर में आकर्षण बढ़ा है और यात्रियों के लिए यह नया सेल्फी स्थल बनकर उभरा है। इस संबंध में जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।

एडीए कॉलोनी, नैनी में 6 अक्टूबर को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। विद्युत वितरण खंड द्वारा निर्धारित अनुसूचन (मैटेनैस) कार्य के कारण एडीए कॉलोनी, नैनी क्षेत्र में दिनांक 6 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी।

विद्युत विभाग के अनुसार विद्युत तंत्र के रखरखाव एवं आवश्यक तकनीकी कार्यों को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न

कराने के उद्देश्य से यह शटडाउन लिया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के उपरांत विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल कर दी जाएगी। विभाग ने क्षेत्र के समस्त उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से कर लें तथा विभागीय कार्य में सहयोग प्रदान करें।

यह जानकारी अवर अभियंता (जेई) श्री राजेश यादव द्वारा प्रदान की गई है।

जनसुनवाई बनी उम्मीद का सहारा, दिव्यांगजनों को मिली आत्मनिर्भरता की राह, डीएम ने जरूरतमंदों को सौंपी ट्राई साइकिल व मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, चेहरे पर दिखी खुशी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे दिव्यांगजनों के लिए सोमवार का दिन नई



उम्मीद और खुशी लेकर आया। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने संवेदनशीलता के साथ उनकी आवश्यकता को समझते हुए मौके पर ही उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराए। ट्राई साइकिल और मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से दोनों दिव्यांगजनों के लिए आवागमन सुगम होने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जनसुनवाई में ग्राम धुवास खर्द, रौबटर्सगंज निवासी श्री मुन्ना लाल सोनी पुत्र श्री विश्वनाथ सोनी, जो एक पैर से दिव्यांग हैं, को जिलाधिकारी ने ट्राई साइकिल प्रदान की। ट्राई साइकिल प्राप्त कर उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। इससे उन्हें दैनिक कार्यों एवं आवागमन में काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। वहीं वार्ड नंबर-23, नगर पालिका परिषद रौबटर्सगंज

निवासी श्री अभय केसरी पुत्र श्री अशोक कुमार, जो दोनों पैरों से 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं, को जिलाधिकारी ने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की। मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से उनके आवागमन में सहूलियत के साथ स्वतंत्र रूप से आने-जाने की क्षमता भी बढ़ेगी।

दोनों लाभार्थियों ने सहायक उपकरण प्राप्त होने पर जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके लिए यह सहायता केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि अपने दैनिक जीवन को अधिक सहज बनाने और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने का माध्यम बनी। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि जनसुनवाई में प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनना तथा पात्र व्यक्ति को समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजनों एवं अन्य जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद-सोनभद्र, जनपद-सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 30प्र0 शासन द्वारा जन

तत्कर्म में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः

सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी



शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में आज दिनांक- 05 अक्टूबर 2026 सोमवार को श्रीमती रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया।

नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकुट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुहरी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें मुख्य रूप से साफ-

शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। श्रीमती रूबी प्रसाद मा10 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अवसर पर मा10 सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

वीरांगना महारानी दुर्गावती की जयंती पर भाजपा कार्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर आज वीरांगना महारानी दुर्गावती जी



की जन्म जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन एवं नेतृत्व एसटी मोर्चा के प्रदेश मंत्री अमरेश चेतो

जी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आदरणीय नन्दलाल गुप्ता जी ने महारानी

उन्होंने कहा कि महारानी दुर्गावती जी का जीवन साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी मिसाल है। उनका संघर्ष और वीरता आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। इस अवसर पर एसटी मोर्चा की प्रदेश मंत्री ज्योति खरवार जी, शंभू सिंह जी, विजय खरवार जी, सुदामा गौड़ जी, राम सागर जी, विनीत गौड़ जी, जिला उपाध्यक्ष बुजेश श्रीवास्तव जी, राजन चौबे जी सहित जिला सह मीडिया प्रभारी अमन मौर्या जी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वीरांगना महारानी दुर्गावती जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

निविदा से पहले ही करा दिए 7 काम, रु77 लाख की निविदा पर उठे सवाल

नगर पंचायत चोपन में निविदा प्रक्रिया पर गंभीर अनियमितता का आरोप (आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को नगर

द्वारा 24 सितंबर को अल्पकालीन निविदा सूचना प्रकाशित की गई,



पंचायत चोपन में निविदा जारी होने से पूर्व ही कार्य पूर्ण कराए जाने और निविदा प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ता संतोष कुमार दुबे, निवासी चोपन ने नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। शिकायत के अनुसार नगर पंचायत चोपन

जिसमें कुल 9 विकास कार्य सम्मिलित हैं। इनकी अनुमानित कुल लागत लगभग रु77.47 लाख है। निविदा दस्तावेज प्राप्त करने की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर और निविदा जमा करने की तिथि 9 अक्टूबर निर्धारित है। यानी प्रक्रिया अभी पूरी भी नहीं हुई है। लेकिन गंभीर आरोप यह है कि निविदा प्रकाशित होने से

पहले ही सूची में शामिल कई कार्य मौके पर पूर्ण करा दिए गए। स्थलीय फोटो और वीडियो से प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि 9 में से लगभग 7 कार्य पहले ही करा दिए गए हैं, जबकि निविदा प्रक्रिया बाद में शुरू की गई। शिकायतकर्ता ने कई सवाल उठाए हैं: जब निविदा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कार्य पहले कैसे कराए गए? क्या पहले ही ठेकेदार को निर्देश दिए गए थे? यदि कार्य पूर्ण थे तो बाद में निविदा निकालने का औचित्य क्या है? क्या सरकारी धन का भुगतान ऐसे कार्यों के लिए होगा? क्या निविदा वेगवान कागजी औपचारिकता है? स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप है कि कुछ कार्य अधिशासी अधिकारी के करीबी लोगों के माध्यम से करा दिए गए।

शिकायतकर्ता ने इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बैरहवा टोले में घर के अंदर 45 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत, बेटे ने देखा शव तो मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में

जांच शुरू कर दी है। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन स्थित बैरहवा

घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के



घर के अंदर 45 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। महिला का शव घर के अंदर मिलने के बाद बेटे ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर

टोले में मनोरमा देवी पत्नी श्यामसुंदर घर के अंदर मृत मिली। बेटे सुनील ने मां को मृत देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गोपाल जी गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और

लिए भेजने की कार्यवाही शुरू कर दी है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज



वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी,इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला, डिडाइंगेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

स्पोर्ट डेस्क। इंदौर वेो होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है। वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) से फोन पर एक्स्ट्रा

नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस:- इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और

बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो। वेजेटरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर:-दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा। मैच और

अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

साल में 972 घंटे देख रहे रील्स,क्या आपको भी रील्स का नशा है, एक्सपर्ट से जानें ये लत छुड़ाने के आसान टिप्स

मुंबई। पूरी दुनिया में सोशल मीडिया यूजर की संख्या 5.66 अरब पहुंच गई है। ये डेटा है, ग्लोबल डिजिटल रिसर्च प्लेटफॉर्म 'डेटा रैपॉर्ट' की 2026

चिड़चिड़ापन होने लगे और व्यक्ति दूसरी जरूरी एक्टिविटीज की जगह रील्स को प्रिऑरिटी देने लगे, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। रील्स देखना समस्या

आदी हो जाता है। इसके कारण लंबे समय तक किसी एक काम पर फोकस करना मुश्किल हो सकता है और बार-बार फोन चेक करने की इच्छा होती है। सवाल- ज्यादा रील्स देखना फोकस और एकाग्रता को कैसे प्रभावित करता है? जवाब- लगातार रील्स देखने से दिमाग को बहुत तेजी से बदलते कंटेंट और छोट-छोटे वीडियो की आदत पड़ सकती है। इससे लंबे समय तक एक ही काम पर ध्यान बनाए रखना मुश्किल होता है। पढ़ाई, काम या बातचीत के दौरान बार-बार फोन चेक करने की इच्छा भी बढ़ती है। सवाल- कैसे जानें कि रील्स देखने की लत लग चुकी है? जवाब- अगर रील्स की वजह से काम, पढ़ाई, नींद या रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने लगे तो यह लत का इशारा है। रील्स एडिक्शन के संकेत:- चाहकर भी खुद को रोक न पाना। समय का पता न चलना। बार-बार फोन चेक करना। काम / पढ़ाई बाधित होना। नींद, दिनचर्या प्रभावित होना। न देखने पर बेचैनी होना। दूसरों से अपनी

दुनिया की एक्टिविटीज और रिश्तों में रुचि कम हो सकती है। सवाल- रील्स देखने की लत नींद को कैसे प्रभावित करती है? जवाब- ज्यादातर लोग सोते समय रील देखते हैं। ऐसे में स्क्रीन की रोशनी और लगातार नया कंटेंट ब्रेन को एक्टिव रखता है। इससे नींद ढेर से आती है और स्लीप क्वालिटी भी खराब होती है। ढेर रात तक रील्स देखने से अगले दिन थकान और सुस्ती भी महसूस हो सकती है। सवाल- इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया को छोड़ना इतना मुश्किल क्यों होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कई बातचीत, ग्रुप और अपडेट्स सोशल मीडिया से ही मिलते हैं। लोगों को लगता है कि इसे छोड़ने पर वे दूसरों से कट जाएंगे। तनाव, बारिगत या अकेलेपन में लोग सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। लाइक्स, कमेंट्स और नोटिफिकेशन भी इस आदत को मजबूत कर सकते हैं। लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद यह डेली रूटीन का हिस्सा बन जाता है। सोशल मीडिया से दूरी बनाने

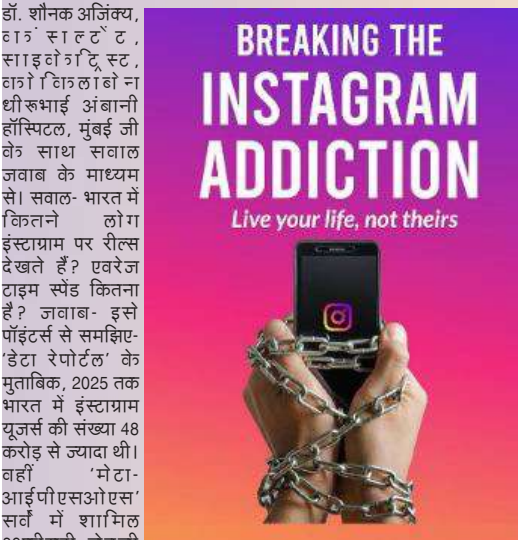


की रिपोर्ट का। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्टिव यूजर हर हफ्ते औसतन 18 घंटे 36 मिनट सोशल मीडिया पर बिताता है--यानी रोज करीब 2 घंटे 39 मिनट। -यानी साल में करीब 40 दिन। जरा सोचिए, आप किसी जरूरी काम से फोन उठाते हैं। तभी इंस्टाग्राम खोल लेते हैं और सोचते हैं कि सिर्फ 5 मिनट रील्स देखेंगे। लेकिन एक रील के बाद दूसरी और फिर तीसरी। देखते-देखते आधा घंटा, एक घंटा निकल जाता है। बाद में याद आता है कि जिस काम के लिए फोन उठाया था, वह तो हुआ ही नहीं। अगर आपके साथ भी ऐसा अक्सर होता है, बिना वजह बार-बार इंस्टाग्राम खोलने का मन करता है या रील्स देखने के बाद समय बर्बाद होने का एहसास होता है, तो यह रील्स एडिक्शन का संकेत हो सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में इंस्टाग्राम रील्स एडिक्शन पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-रील्स एडिक्शन के संकेत क्या हैं? रील्स देखने की लत कैसे छुड़ाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट-

डॉ. शोनीक अजिंक्य, EATS साल्ट टू, साइगोस्ट्रस्ट, वाशिंगटन। डॉ. न धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी वेड साथ साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- भारत में कितने लोग इंस्टाग्राम पर रील्स देखते हैं? एवरज टाइम स्पेंड कितना है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 'डेटा रैपॉर्ट' के मुताबिक, 2025 तक भारत में इंस्टाग्राम यूजर की संख्या 48 करोड़ से ज्यादा थी। वहीं 'मेटा'-आईपीएसओएस- सर्वे में शामिल 89फीसदी जेनजी

यूजर से बताया कि वे रोज रील्स देखते हैं। सर्वे में शामिल 85फीसदी महिलाओं ने भी रोज रील्स देखने की बात कही। यह सर्वे भारत के 23 शहरों और ग्रामीण इलाकों के 4,000 से ज्यादा लोगों पर किया गया था। वहीं टेक्नोलॉजी पॉलिसी थिंक टैंक 'इस्पा सेंटर' के मुताबिक, भारतीय रोज औसतन 3.2 घंटे सोशल मीडिया एप्स पर बिताते हैं। सवाल- इंस्टाग्राम रील्स देखने की आदत कब 'लत' मानी जा सकती है? जवाब- अगर रील्स न देखने पर बेचैनी या

नहीं है। समस्या वो है, जब व्यक्ति चाहकर भी स्कॉलिंग न रोक पाए। धीरे-धीरे यह आदत काम, रिश्तों और यहां तक कि हेल्थ पर भी नेगेटिव असर डालने लगती है। इसलिए इसे गंभीरता से लेना जरूरी है। सवाल- इंस्टाग्राम एडिक्शन क्या है? जवाब- इसे पॉइंटर्स समझिए- इंस्टाग्राम यूजर की पसंद और पिछली एक्टिविटीज के आधार पर कंटेंट दिखाता है। इसे 'एल्गोरिथ्म' कहते हैं। इससे उसके पसंदीदा कंटेंट सामने आते रहते हैं। हर नई रील में कुछ नया, मजेदार या पसंदीदा कंटेंट मिलने की उम्मीद यूजर को अगली रील देखने के लिए प्रेरित करती है।



तुलना करना। बोरियत/उदासी में रील्स देखना। सवाल- रील्स एडिक्शन का हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर क्या असर पड़ता है? जवाब- लगातार रील्स देखने से गर्दन और कंधे में दर्द और आंखों पर असर पड़ता है। वहीं मेंटल हेल्थ की बात करें तो फोकस में कमी, चिड़चिड़ापन, बेचैनी और मूड में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। रील्स एडिक्शन के संभावित रिस्क:- गर्दन और कंधे में दर्द। ध्यान, एकाग्रता में कमी। स्लीप क्वालिटी खराब। स्ट्रेस और एंजाइटी। तुलना करने की आदत। सिरदर्द, आंखों में थकान। फिजिकल एक्टिविटी में कमी। बेचैनी और चिड़चिड़ापन। मूड में बदलाव। सांशाल आइसोलेशन। सवाल- क्या रील्स की लत छोटे बच्चों और किशोरों के लिए ज्यादा खतरनाक है? जवाब- हां, क्योंकि बच्चों और किशोरों का ब्रेन अभी डेवलपमेंटल फेज में होता है। ऐसे में रील्स देखने की आदत उनके व्यवहार, पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य पर ज्यादा असर डाल सकती है। इससे- पढ़ाई और सीखने पर ध्यान कम हो सकता है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से फिजिकल एक्टिविटीज घट सकती हैं। नींद की क्वालिटी प्रभावित हो सकती है। चिड़चिड़ापन और बेचैनी बढ़ सकती है। सोशल मीडिया पर डिपेंडेंसी हो सकती है। वास्तविक

पर शुरुआत में बेचैनी या खालीपन महसूस हो सकता है। इसलिए लोग आसानी से सोशल मीडिया नहीं छोड़ पाते हैं। सवाल- रील्स देखने की लत कैसे कम करें? जवाब- इसके लिए सबसे पहले धीरे-धीरे स्क्रीन टाइम घटाएं। रील्स की लत कैसे छुड़ाएं? ट्रिगर नोटिस करें। किताबें पढ़ें। खुद को बिजी रखें। कोई नया शौक अपनाएं। बाहर समय बिताएं। किसी से बात करें। धीरे-धीरे स्क्रीन टाइम घटाएं। सोने से पहले सुबह उठते ही फोन दूर रखें। इंस्टा न खोलें। एप लिमिटिंग फीचर यूज करें। होम स्क्रीन से इंस्टाग्राम हटाएं। इंस्टा नोटिफिकेशन ऑफ रखें। इंस्टाग्राम डिटांस् फोन बनाएं। कुछ समय के लिए एप डिलीट करें। सवाल- क्या अन्य एडिक्शन की तरह रील्स देखना छोड़ने पर भी विडॉअल सिम्पटम्स हो सकते हैं? जवाब- हां, कुछ लोगों में रील्स या सोशल मीडिया का इस्तेमाल अचानक कम करने पर अस्थायी विडॉअल जैसे सिम्पटम्स महसूस हो सकते हैं, जैसे कि- बेचैनी और चिड़चिड़ापन। बार-बार फोन चेक करने की इच्छा। बोरियत या खालीपन महसूस होना। रील्स देखने की तेज इच्छा (क्रैविंग)। ध्यान लगाने में परेशानी। मूड स्विंग्स और नींद न आना। सवाल- किस स्थिति में साइकोलॉजिस्ट से सलाह लेनी जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में साइकोलॉजिस्ट से सलाह लें- नींद प्रभावित हो। पढ़ाई, काम पर नेगेटिव असर पड़े। रिश्ते या रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने लगे। बेचैनी, चिड़चिड़ापन हो, मूड स्विंग्स हो। कोशिश के बावजूद सफलता न मिले।

दू, आसपास पानी की टंकी, बाथरूम, कोने खुले ड्रेनेज/नालियां बालकनी में जमा पानी



खुले में जमा कबाड़। सवाल- डेंगू-मलेरिया के लक्षण क्या हैं? जवाब- दोनों ही मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियां हैं। इनके शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बुखार जैसे लगते हैं। हालांकि इसमें कुछ अंतर होते हैं। डेंगू-अचानक तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोईंट्स, मसल्स पेन, जी मिचलाना, रिकन रैंशेज, कमजोरी, थकान, फ्लेटुलेंस गिरना, नाक / मसूड़ों से खून आना, मलेरिया:- ठंड के साथ बुखार, सिरदर्द, उल्टी और मतली, शरीर में दर्द, गंभीर मामलों, सांस लेने में कमजोरी, बेहोशी, तकलीफ। सवाल- डेंगू-मलेरिया का पता कैसे चलता है? जवाब- इसके लिए डॉक्टर ब्लड टेस्ट कराते हैं। हर टेस्ट बीमारी को अलग फेज और गंभीरता को समझने में मदद करता है। डेंगू के टेस्ट-एनएस। एंटीजन टेस्ट: शुरुआती 1-5 दिनों में वायरस की पहचान करता है। IgM/IgG एंटीबॉडी टेस्ट: 5 दिन बाद संक्रमण की प्रगति करता है। सीबीसी (कम्प्लीट ब्लड काउंट): फ्लेटुलेंस और अन्य ब्लड पैरामीटर की जानकारी देता है। मलेरिया के टेस्ट-मलेरिया पैरसाइट टेस्ट: ब्लड में मलेरिया पैरसाइट की जानकारी देता है। पैरिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आइटीटी): 15-20 मिनट में रिजल्ट देता है। सीबीसी (कम्प्लीट ब्लड काउंट): बीमारी की गंभीरता का अंदाजा लगाने में मदद करता है। सवाल- डेंगू-मलेरिया का इलाज क्या है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- डेंगू का इलाज-इसकी कोई खास एंटीवायरल दवा नहीं होती। पैरसिटामोल से बुखार और दर्द कंट्रोल किया जाता है। पर्याप्त पानी, ओआरएस, जूस जैसे फ्लूइड देना जरूरी है। फ्लेटुलेंस

फ्लेटुलेंस ट्रांसप्यूजन की जरूरत नहीं है। मलेरिया का इलाज-डॉक्टर की सलाह से एंटी-मलेरियल दवाएं दी जाती हैं। बुखार और दर्द के लिए स्पोरिटिव ट्रीटमेंट दिया जाता है। समय पर पूरा दवा कोर्स करना बहुत जरूरी है। डेंगू-मलेरिया से बचने में अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है। बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया का रиск बढ़ जाता है। इसलिए बुखार को सामान्य समझकर इग्नोर न करें। लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लें। सही समय पर इलाज से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। सवाल- कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में तुरंत डॉक्टर के पास जाएं- 1-2 दिन से ज्यादा तेज बुखार (102°F या इससे ज्यादा) रहे ठंड के साथ बुखार आए। बुखार के साथ बेहोशी, भ्रम या ज्यादा सुस्ती लगे। लगातार उल्टी हो। कमजोरी महसूस हो या चक्कर आए। शरीर पर लाल चकते दिखें। नाक या मसूड़े से खून आए। तेज पेट दर्द हो। सांस लेने में परेशानी हो। सवाल- किन लोगों को रस्क ज्यादा होता है? जवाब- डेंगू-मलेरिया किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में ये ज्यादा गंभीर हो सकता है, जैसेकि- प्रभावित इलाकों में रहते हैं। बच्चे और बुजुर्ग। गर्भवती महिलाएं। सवाल- डेंगू-मलेरिया से बचने के लिए क्या करें? जवाब- थोड़ी-सी सावधानी से इन बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है। आसपास पानी न ठहरने दें। कूड़ा को पानी रोज बदलें। नालियां, ड्रेनेज साफ रखें। फ्रिज ट्रे साफ रखें। खिड़की-दरवाजों में जाली लगाएं। मच्छरदानी लगाकर सोएं। घर में सफाई

बातों का खास ख्याल रखें- बोर्डि पड़ सकती है। पर्याप्त पानी पिएं। पर्याप्त नींद लें। दवा का कोर्स पूरा करें। बिल्कुल मेहनत न करें। सभी दवाएं समय पर लें। नारियल पानी, ओआरएस, जूस लें। डेंगू-मलेरिया से जुड़े कुछ टिप्स-मलेरिया और जवाब- सवाल- क्या डेंगू-मलेरिया संक्रामक बीमारी है? जवाब- नहीं, डेंगू और मलेरिया सीधे एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलते हैं। ये बीमारियां संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती हैं। सवाल- क्या एक बार डेंगू होने के बाद दोबारा नहीं होता? जवाब- नहीं, इसके 4 अलग-अलग प्रकार (सीरोटाइप) होते हैं। इसलिए एक बार होने के बाद भी दूसरी मलेरिया होने पर क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए? लक्षणों को इग्नोर न करें। बुखार में काम न करें। खुद से एंटीबायोटिक न लें। खुद से पेनकिलर्स न लें। ब्लड टेस्ट डिले न करें। सवाल- डेंगू-मलेरिया में क्या खाना-पीना चाहिए और क्या नहीं? जवाब- डेंगू-मलेरिया होने पर खानपान को लेकर सावधानियां बरतनी चाहिए-क्या लें? हल्का और सुपाच्य खाना (खिचड़ी, दलिया)। पानी, ओआरएस, नारियल पानी, सूप। फल जैसे पपीता, सेब, अनार। क्या न लें? तला-भुना और मसालेदार खाना। जंक फूड और पैकेज्ड ड्रिंक्स। शराब और ज्यादा कैफीन। सवाल- बुजुर्ग और बुजुर्गों को मच्छरों से बचाने के लिए क्या अतिरिक्त सावधानी रखें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- दिन और रात दोनों समय मच्छरदानी का यूज करें। फूल स्लीव कपड़े पहनाएं। मच्छर भगाने वाले सुरक्षित रिपेलेंट लगाएं। हल्के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

शैक्षिक व्यवस्था परउठते कुछ सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पूरी दुनिया में ऐसे

करके ही सुधारा जा सकता है, कहीं ना कहीं यह शिक्षकों में



तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं, कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वह इसके लिए कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन बात यहां आकर रुकती है कि ना जाने क्यों शिक्षकों ने मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित

अप्रिय व्यवहार देखने को मिलता है। यह हमारी शिक्षा प्रणाली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई शिक्षक इन कानूनी व नैतिक मापदंडों को ताक पर रखकर बच्चों को प्रताड़ित करते हैं। निः संदेह कोई भी शैक्षिक व्यवस्था किसी भी शिक्षक को निरंकुश व्यवहार करने और अपनी भड़ास निकालने की इजाजत नहीं देती। दरअसल समय के साथ-साथ बच्चों में ऐसे भाव विकसित हो गए हैं कि, वह कक्षा में सार्वजनिक रूप से अपमान वह प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं करते। समाज में एकल परिवार परंपरा के प्रचलन के बाद बच्चे अभिभावकों के ध्यान के केंद्र में आ गए हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे मान-अपमान के प्रति इतने ज्यादा संवेदनशील नहीं होते थे। लेकिन आज घर में अकेले होने के नाते मिलने वाले विशिष्ट व्यवहार की अपेक्षा बच्चा स्कूल में भी करता है। जिसके फल स्वरूप किसी दंड या ताड़ना को वह बेहद गंभीरता से लेता है, शिक्षक बिरादरी को उनके व्यवहार को संवेदनशील ढंग से देखना होगा।

किसी खिलाड़ी को कम करके आंकने का कोई फायदा नहीं

शूत्रगवार को लवलीना बोरगोहाई का जन्मदिन था, लेकिन उपहार तमाम देशवासियों को मिला। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीयों को गौरवान्वित करने वाली लवलीना

मौजूद थीं। किस्मत से उन्हें अगर बाई मिली तो इसमें उनका दोष नहीं था। वैसे भी खेलों में किस्मत बहुत मायने रखती है और बात वहीं खत्म हो जानी चाहिए थी। लेकिन क्या लवलीना

होकर खेलने के लिए कह रहे थे। यही कारण था कि दूसरे राउंड में लवलीना पूरी तरह बदली हुई खिलाड़ी नजर आई। वे मुकाबले पर पूरी तरह हावी हो गई थीं। घंटी बजने तक सभी



की आज सर्वत्र जय-जयकार हो रही है और वे इसकी सुगन्ध हैं भी। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि हाल ही में हुए एगसगो राष्ट्रमंडल खेलों के बाद इन्हीं लवलीना को बहुत बुरी तरह से ट्रोल किया गया था। दुःखद यह था कि खेल प्रकाश भी अपना पर्सपेक्टिव गंवाते हुए भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ बॉक्सरों में से एक लेंग बारे में नकारात्मकता फैलाने में जुट गए थे। लवलीना की स्वर्णिम उपलब्धि ने अब कड़वों के मुह बंद कर दिए होंगे। सच्चाई यह है कि एगसगो में लवलीना प्रतिष्ठित बॉक्सर और दो बार विश्व चैंपियनशिप की मेडलिस्ट रह चुकी ऑस्ट्रेलिया की एमा सू, ग्रीनट्री से बेहद करीबी मुकाबले में फाइनल मैच हारी थीं। उस मैच में ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे यह संकेत मिलता कि लवलीना का समय अब बीत चुका है। ऐसे में यह पढ़ना निराशाजनक था कि हमारे वरिष्ठ खेल पत्रकार भी कह रहे थे कि वे कॉमनवेल्थ में महज एक जीत के बाद सिल्वर मेडल लेकर लौट रही हैं। हां, वे ऐसा कर रही थीं, लेकिन क्या उन्होंने बाई (किसी मुक्केबाज को बिना कोच मुकाबला खेले सीधे अगले दौर (राउंड) या सेमीफाइनल/फाइनल में प्रवेश मिल जाना) मांगी थी? उन्होंने तो ऐसा नहीं किया था और वे एगसगो में कड़ी मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए

को साफ दिखाई दे रहा था कि उन्होंने यह राउंड जीत लिया है। एथलीट रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर वहां मौजूद भारतीय खिलाड़ी साक्षी, अलंघति चौधरी, प्रीति और बाकी पूरे दल के सदस्य लवलीना के हर पंच पर शोर कर उनका उसाहवर्धन करने लगे थे, क्योंकि वे जानते थे कि कुछ शानदार हो रहा है। लवलीना इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि अगर आप किसी एथलीट का समर्थन नहीं कर सकते, तो कम से कम उसे अपने हाल पर छोड़ दें या चुप रहें। उसे हतोत्साहित तो बिल्कुल न करें। उसे जज भी न करें। किसी खिलाड़ी की उपलब्धि को कम करके आंकने की कोशिशों का कभी भी कोई फायदा नहीं होता और यही भारतीय खेल मीडिया और यहां तक कि खेल प्रशंसकों को भी सीखना होगा।

फाइनल में लवलीना ने जैसा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, वह उनके खेल को कमतर आंकने वालों के लिए आखें खोलने वाला होना चाहिए। अगर आप किसी एथलीट का समर्थन नहीं कर सकते, तो कम से कम उसे अपने हाल पर छोड़ दें या चुप रहें।

उसे हतोत्साहित या जज न करें। खिलाड़ी को कम करके आंकने की कोशिशों का कभी भी कोई फायदा नहीं होता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

हाईकोर्ट की टिप्पणी:-पिता चाहे कितना भी अमीर हो, मां की ममता का विकल्प नहीं

चंडीगढ़। हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक मामले

आर्थिक मजबूती या बड़ा निवेश, मां की ममता और भावनात्मक



में स्पष्ट किया कि पिता की

देखभाल का विकल्प नहीं हो

कुछ दृश्य हमारी यादों में

अमिट होते हैं, वे फिल्माए नहीं जाते

जीवन में कुछ दृश्य ऐसे होते हैं, जिन्हें फिल्माने की जरूरत नहीं होती। वे बस वहां मौजूद होते हैं और उन्हें हम देख भर लेते हैं। फिर भी वे सालों तक, कभी-कभी तो जीवनभर हमारे साथ बने रहते हैं। वह भी ऐसा ही एक दृश्य था। मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा। 1995 का साल था। मैं काम से घर लौटा ही था कि मैंने अपनी लगभग चार साल की बेटी को अकेले बोर्ड गेम खेलते देखा। वह बोर्ड के एक छोर से दूसरे छोर तक कूदती, कभी अपनी तरफ से खेलती तो कभी अपनी काल्पनिक पार्टनर की तरफ से। वह ऐसा दृश्य था जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मेरी आंखें भर आईं। कुछ समय पहले तक दिन भर उसके साथ खेलने के लिए एक पार्टनर हुआ करती थीं। लेकिन पिछले दो महीनों से वे उसके साथ नहीं थीं। वे उसकी दादी थीं। अब बच्ची अकेली रह गई थी। मैंने तुरंत साबुन से हाथ धोए, फर्श पर बैठे और उसके साथ खेलने लगा। उसका पूरा ध्यान बोर्ड पर था। हर बार पांसा फेंकने पर वह उत्साह से चीख उठती। मैं भी उसके साथ चीखता, लेकिन मेरी कमीज धीरे-धीरे आंसुओं से भीगती जा रही थी। मेरी पत्नी ने अचानक रसोई का काम समेटा और दो बॉउल लिए हमारे पास आकर बैठ गई। खाना वही था- दही-चावल- लेकिन दोनों के लिए अलग तरह से बनाया गया था। बेटी के बॉउल का दही-चावल अच्छी तरह से मसल दिया गया था, वहीं मेरे बॉउल में कुछ और चीजें भी मिली हुई थीं। हम दोनों को बार-बार पांसा फेंकना था, इसलिए हाथों से खाना संभव नहीं था। तब मेरी पत्नी ने तय किया कि वह अपनी बच्ची और एक ऐसे 35 साल के बच्चे- जिसने हाल ही में अपनी मां को खोया था- दोनों को अपने हाथों से खिलाएगी। हर बार जब बेटी को कौर खिलाया जाता, हम ताली बजाते। हर बार जब पत्नी मुझे खिलाती, हमारी आंखें मिलती। उसकी आंखें जैसे कह रही थीं, 'तुम्हारी पीड़ा समझती हूं। फीज शांत हो जाओ। लेकिन जिसे खिलाया जा रहा था, उसकी आंखों में अकथनीय पीड़ा थी। मुझे नहीं मालूम, कौन-सी पीड़ा ज्यादा थी। क्या वह मां को खोने की पीड़ा थी? या उस मासूम बच्ची को अकेले खेलते देखने की, जो यह नहीं जानती थी कि उसकी प्रिय पार्टनर अब कभी वापस नहीं आएंगी? या फिर उस पिता का डर

ज्यादा बड़ा था, जो सोच रहा था कि अगर बेटी ने अचानक पछु लिया मेरी पार्टनर कब वापस आएंगी- तो वह क्या जवाब देगा? मेरे पास कोई जवाब नहीं था। शायद हममें से किसी के पास नहीं था। उस शाम बोर्ड गेम, पांसे, दही-चावल, एक-दूसरे को खिलाना और आंखों की वे खामोश मुलाकातें उस क्षति से निपटने का हमारा तरीका बन गईं, जिसे हममें से कोई भी शब्दों में समझा नहीं सकता था। उस प्यार, स्पर्श, एक-दूसरे को खिलाने और आंखों के मिलने का नतीजा बहुत सरल था। आंसू। सिर्फ आंसू। शुक्रवार की रात मुझे यह सब याद हो आया, जब मैं एक ऐसे कार्यक्रम में था, जिसमें तीन अलग-अलग दुनिया की तीन दिग्गज हस्तियां मौजूद थीं- अमिताभ बच्चन, गुलजार और सचिन तेंदुलकर। एक भारतीय सिनेमा की आवाज और चेहरा हैं, दूसरे उसके कवि-दार्शनिक और तीसरे क्रिकेट के सबसे चहेते सितारे। लेकिन वह कार्यक्रम न फिल्मों के बारे में था, न कविता के बारे में और न क्रिकेट के बारे में। वह भावनाओं से भरा हुआ था और मैंने वहां के कई दृश्य अपने भीतर दर्ज किए। इन्हीं में से एक दृश्य उन दादा-डों. पी. जगन्नाथ से जुड़ा था, जो मशहूर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उनकी किताब के विमोचन कार्यक्रम में ही ये हस्तियां पहुंची थीं। मंच पर तीन-तीन दिग्गजों के होने के बावजूद वे अपने दस साल से भी छोटे पोते-पोतियों- इवान और विद्याना को अगर ज्यादा नहीं तो कम से कम उनकी ही अहमियत दे रहे थे। इन बच्चों ने ही ऑडियंस के सामने अपने दादा को इंटीड्यूस किया कि उन्होंने कैसे 'ब्लू' नाम दिया।

मेरे जैसा कोई आम आदमी इन दिग्गजों की मौजूदगी में होने पर गर्व से फूल न समाता, लेकिन उन डॉक्टर के लिए ऐसा नहीं था। उन्होंने अपनी हर सफलता से पहले अपने परिवार, खासकर अपने पोते-पोतियों को रखा था। फंडा यह है कि जरूरी नहीं कि ज़िंदगी में सबसे ज्यादा मायने रखने वाले लोग सबसे बड़े मंच पर खड़े हों। वे आपके पास बैठे वे छोटे भी हो सकते हैं, जो आपका ध्यान पाने का इंतजार कर रहे हों। आप ज़िंदगी में किन्तनी भी ऊंचाई तक पहुंच जाएं, सफलता की असली कसौटी यही है कि क्या आप अब भी सुककर किसी बच्चे का हाथ थाम सकते हैं। एन. रघुरामन

क्या होता है जब डर और ड्यूटी का आमना-सामना हो?

कैप्टन घायल थे, विमान नीचे की तरफ जा रहा था और उनके पास खुद को बचाने के बारे में सोचने की तमाम वजहें थीं। फिर भी उस निर्णायक क्षण में उनका ध्यान कॉकपिट के बाहर मौजूद



लोगों पर था। उस पल की असली ताकत उनके उस फैसले में ही थी, जो उन्होंने हमले के दौरान लिया था। खुद को बचाने के अलावा वे जितना भी समय किसी और काम में लगाते, उससे रमलावर को उन्हें जान से समाप्त का एक और मौका मिल जाता। लेकिन यह जानते हुए और घायल होने के बावजूद उन्होंने वो बेशकीमती पल कॉकपिट का दरवाजा खोलने में लगाए। वे जानते थे कि दरवाजा खोलना ही यात्रियों को खाने के बारे में सचेत करने और दूसरे लोगों को अंदर आकर मदद करने का मौका देने का एकमात्र तरीका था। उन भयावह क्षणों में उनकी चिंता सिर्फ अपनी जान बचाने की नहीं, बल्कि विमान में सके। इसके बाद उन्होंने यात्रियों के पासपोर्ट छिपा दिए, ताकि अपहर्ता अमेरिकी नागरिकों की पहचान न कर सकें। जब आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू की, तो नीरजा ने आपातकालीन निकास का दरवाजा खोला और यात्रियों की बाहर निकलने में मदद की। उन्हें तब गोली लगी, जब वे तीन बच्चों को बचाने की कोशिश कर रही थीं। और 26 नवंबर 2008 की वह रात भला कैसे भुलाई जा सकती है, जब गिरगांव चौपाटी पर एएसआर तुकाराम गोपाल ओंबेले पुलिस नाके पर तैनात थे और हाईजैक

बच्चों को देखने से पहले पढ़ना क्यों सिखाएं?

आमतौर पर जब परिवार की युवा पीढ़ी के लोग ओटीटी चैनलों की किसी फिल्म के बारे में मेरी राय पूछते हैं तो मैं उन्हें सलाह



देता हूं कि पहले किताब पढ़ें और बाद में फिल्म देखें। ऐसी आखिरी सलाह मैंने नेटफ्लिक्स की 2025 में रिलीज हुई 'द वुमन इन केबिन 10' को लेकर दी थी, जो 2016 में इसी नाम से आए रूथ वेयर के साइकोलॉजिकल थ्रिलर उपन्यास पर आधारित है। इससे पहले ऐसी ही फिल्में 'द थर्डई मर्डर क्लब' रिचर्ड ओस्मान के उपन्यास पर और 'द हाउसमेड' फ्रिडा मैंकफैंडन की किताब पर बनी थीं। फैंमिली वॉट्सएप ग्रुप पर एक व्गस्टर ने यह लिखकर मुझे चुप करा दिया कि '...लेकिन किताब फिल्म का मजा खराब कर देगी और रघु अंकल से मत पूछना, वे बहुत पुराने ख्यालों के हैं।' मैं एक ऐसे कठोर नियमों वाले माहौल में बड़ा हुआ, जहां सूख पाने से पहले खुद पर सख्त नियंत्रण रखना सामान्य नियम था। इसलिए कॉलेज के दिनों में मुझे देव आनंद की 'गाइड' देखने से पहले आर. वे. नारायण की 'द गाइड' पढ़ने में उन्होंने असाधारण हीरो नहीं बनाए। उन्होंने से आम लोगों के बारे में लिखा, जो अपनी ही छोटी सोच, लालच और किस्मत के अजीब खेलों में फंसे हुए हैं। इस सिनेमैटिक मास्टरपीस को जहां शानदार अभिनय, सदाबहार संगीत और बेबाक स्टोरीटेलिंग के लिए सराहा गया, वहीं यह फिल्म बिल्कुल अलग तरह की एस्थेटिक फिलॉसफी पर आधारित है। यह नारायण की शांत, मनोवैज्ञानिक बारीकियां की जगह व्यावसायिक भारतीय सिनेमा के लिए जरूरी अति-नाटकीयता और हाई-स्टेक्स मोरेलिटी को

वास्तविकता के साथ रेलवे स्टेशन, कस्बे के नाई का स्थानीय हास्य और रोजमर्रा की धीमी-सी ज़िंदगी का वर्णन करते

अपनाती है। पहले किताब पढ़ने और फिर फिल्म देखने के बाद मैंने अपने भीतर शब्दों की शुविता बनाए रखने के लिए किए

हैं। 1960 के दशक के सिनेमा के बड़े पर्दे की भव्यता के मुताबिक फिल्म को राजस्थान की जीवंत और ककरफूल जगहों पर फिल्माया गया। फिल्म में शहर के दृश्य और राजू के दूर-गाइड वाले सिकवेंस उदयपुर के सिटी पैलेस, पिछोला झील, फतेह सागर झील, सूरज पोल और हाथी पोल के आसपास शूट किए गए। देखने में ये जगहें बेहद खूबसूरत थीं लेकिन इन बदलावों ने छोटे कस्बे की उस खास इंटिमेसी को खत्म कर दिया, जो नारायण की दुनिया की प्रामाणिक बनाती है। 1950 के दशक के दक्षिण भारतीय कस्बे में हो रहे सामाजिक-राजनीतिक बदलावों की जगह एक अधिक सामान्य सिनेमाई ग्रामीण भारत ने ले ली थी। नारायण की रचना की खूबसूरती उसकी हल्के व्यंग्य, संयमित यथार्थवाद और इसानी कमजोरियों की गहरी समझ में है। अपनी किताब में उन्होंने असाधारण हीरो नहीं बनाए। उन्होंने से आम लोगों के बारे में लिखा, जो अपनी ही छोटी सोच, लालच और किस्मत के अजीब खेलों में फंसे हुए हैं। इस सिनेमैटिक मास्टरपीस को जहां शानदार अभिनय, सदाबहार संगीत और बेबाक स्टोरीटेलिंग के लिए सराहा गया, वहीं यह फिल्म बिल्कुल अलग तरह की एस्थेटिक फिलॉसफी पर आधारित है। यह नारायण की शांत, मनोवैज्ञानिक बारीकियां की जगह व्यावसायिक भारतीय सिनेमा के लिए जरूरी अति-नाटकीयता और हाई-स्टेक्स मोरेलिटी को

किताब कहानी को लेखक की आवाज में बताती है, जबकि फिल्म में आपको इसकी किसी और के द्वारा की गई ख्याल्य मिलती है। पहले पढ़ लेने से मजा कम नहीं होता, बल्कि आप देखा पाते हैं कि क्या वादना, क्या बचा रहा और कभी-कभी क्या खो ही गया।

फंडा यह है कि फिल्म देखने से पहले किताब पढ़िए। यह तय करने के लिए नहीं कि कौन-सी बेहतर है, बल्कि यह जानने के लिए कि कैसे एक ही कहानी दो अलग-अलग ज़िंदगियां जी सकती है। एन. रघुरामन

गांव-शहर के बीच की सीमाएं खूबसूरती से मिट जानी चाहिए

इववाडोर की एंडीज पर्वतमाला में रोमांच से भरा एक महीना बिताने के बाद मैं न्यूयॉर्क में वसंत का आनंद ले रही थी और भारत लौटने की तैयारी कर रही थी। मेरा मन हिमालय और वहां के गांवों के गर्मजोशी भरे लोगों के लिए बेचैन था। मुझे लगा कि अब आखिरकार काठमाण्डौ में सरमोली तक 11 घंटे की यात्रा करने का समय आ गया है। सरमोली पिथौरागढ़ जिले के मनुस्वारी में स्थित एक सुंदर गांव है, जिसे भारत सरकार ने देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव चुना है। मुझे पर्वतारोहण की शौकीन महिला विदी और सरमोली में होमस्टे शुरू करने के उनके काम के बारे में पता चला था। इसलिए मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं कुछ समय उन पहाड़ों में ठहर सकती हूं। तब उन्होंने मुझे वहां हर साल गर्मियों में होने वाली एक परम्परा के बारे में बताया- एक हफ्ते चलने वाला हिमाल कलासूत्र उत्सव। इसमें सरमोली के लोग मिलकर 20 किलोमीटर की लंबाइन दौड़ते हैं। इसमें करीब 8,000 टी की ऊंचाई चढ़नी होती है (सुनकर ही दम फूल जाए!)। वे पहाड़ों पर जाकर पक्षियों को निहारते हैं। उस साल के उत्सव में एक सप्ताह तक ध्यान-योग कार्यक्रम तथा डिजिटल साक्षरता का कार्यशाला भी शामिल थी। अब तक मैंने कुमाऊं के छोटे-छोटे गांवों में काफी समय बिताया था और वहां के लोगों की समस्याओं को करीब से देखा था। जलावन की लकड़ियां इकट्ठा करना, स्कूल या निकतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करना, सामाजिक समस्याएं- इन सबसे बीच सैराथन की तैयारी करने, स्थानीय पक्षियों की तलाश में निकलने या डिजिटल साक्षरता जैसी चीजों के लिए आखिर समय ही कहां बचता होगा? लेकिन सरमोली में बिताए दिनों ने भारत के ग्रामीण और शहरी जीवन के बीच विभाजन को छिन्न मेरी धारणा ही बदल दी। पिछले कुछ वर्षों में मैंने यह मानना शुरू कर दिया था कि ग्रामीण भारतीय

समुदायों की जीवन जीने की ज्यादातर पारंपरिक पद्धतियां नई पीढ़ी के बाद में न्यूयॉर्क में वसंत का आनंद ले रही थी और भारत लौटने की तैयारी कर रही थी। मेरा मन हिमालय और वहां के गांवों के गर्मजोशी भरे लोगों के लिए बेचैन था। मुझे लगा कि अब आखिरकार काठमाण्डौ में सरमोली तक 11 घंटे की यात्रा करने का समय आ गया है। सरमोली पिथौरागढ़ जिले के मनुस्वारी में स्थित एक सुंदर गांव है, जिसे भारत सरकार ने देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव चुना है। मुझे पर्वतारोहण की शौकीन महिला विदी और सरमोली में होमस्टे शुरू करने के उनके काम के बारे में पता चला था। इसलिए मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं कुछ समय उन पहाड़ों में ठहर सकती हूं। तब उन्होंने मुझे वहां हर साल गर्मियों में होने वाली एक परम्परा के बारे में बताया- एक हफ्ते चलने वाला हिमाल कलासूत्र उत्सव। इसमें सरमोली के लोग मिलकर 20 किलोमीटर की लंबाइन दौड़ते हैं। इसमें करीब 8,000 टी की ऊंचाई चढ़नी होती है (सुनकर ही दम फूल जाए!)। वे पहाड़ों पर जाकर पक्षियों को निहारते हैं। उस साल के उत्सव में एक सप्ताह तक ध्यान-योग कार्यक्रम तथा डिजिटल साक्षरता का कार्यशाला भी शामिल थी। अब तक मैंने कुमाऊं के छोटे-छोटे गांवों में काफी समय बिताया था और वहां के लोगों की समस्याओं को करीब से देखा था। जलावन की लकड़ियां इकट्ठा करना, स्कूल या निकतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करना, सामाजिक समस्याएं- इन सबसे बीच सैराथन की तैयारी करने, स्थानीय पक्षियों की तलाश में निकलने या डिजिटल साक्षरता जैसी चीजों के लिए आखिर समय ही कहां बचता होगा? लेकिन सरमोली में बिताए दिनों ने भारत के ग्रामीण और शहरी जीवन के बीच विभाजन को छिन्न मेरी धारणा ही बदल दी। पिछले कुछ वर्षों में मैंने यह मानना शुरू कर दिया था कि ग्रामीण भारतीय

की अच्छी पकड़ हैं। उनकी पा को दोबारा ये सीट जीतने दिक्कत नहीं होनी चाहिए। टीवी ने इस साल पुडुचेरी में चुनाव लड़ा और 2 सीट जीतीं। विजय पास उपचुनावों में कुछ धुंज ज़रूर है, लेकिन इतनी नहीं है। जीत संकेत'। असम: नागा लोकसभा सीट पर उपचुनाव कांग्रेस की सीट पर बीजेपी अ एआईयूडीएफ की चुनौती: 20 और 2024 में इस सीट से कांग्रेस के प्रभुत बोयदोलोई सांसद गए थे। मार्च 2026 में उन्हें बीजेपी जॉइन कर ली अ लोकसभा की सदस्यता इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नागांव सीट खाली थी। प्रहलकाल दिसपूरी सीट विधायक हैं। असम के सीनर जॉनलिट्ट दिल्बर हुसैन बताते 'नागांव में 18 लाख वोटर जिनमें 11 लाख माइनॉरिटी वोट हैं। ये सीट कांग्रेस का गढ़ है'। 1951 से 1998 तक पार्टी एकछत्र राज रहा। 1999-2014 तक बीजेपी जीती। 20 और 2024 में फिर कांग्रेस। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा सीट पर आकामक प्रचार कर रहे हैं। 28 सितंबर को राहा में रैली में कहा कि हम यह सीट जीत रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि नुक़्कबाला है। 'इस बार बीजेपी ने पूर्व आईएफएस अधिकारी देशेश शर्मा को टिकट दिया है। अ कांग्रेस और एआईयूडीएफ में बंटते हैं, तो बीजेपी जीत सकती है। धुबरी के पूर्व सांसद अ एआईयूडीएफ सुप्रियो बदर्द्वी अजमल नागांव से चुनाव लड़ रहे हैं। मुस्लिमों में उनका अछभ प्रभु है। उन्हें वोट मिले, तो कांग्रेस नुक़्कसाल हो सकेगा' हैं। 'बांग्लादेशियों का पुशबैक अ फ़जी एकाउंडर मुद्दा: देवशर्मा को घेरने के लिए कांग्रेस बांग्लादेशी पुशबैक का मुद्दा बर रही है। राजनीति में आने से पहले देवशर्मा नागांव के जिला कलेक्टर थे। कांग्रेस का आरोप है कि उन समयकाल में नागांव की रहने वाली मुस्लिमता बैगम संदेह अल्पसंख्यकों को संहित बताना बांग्लादेश भेज दिया गया। उन बीजेपी पता नहीं चला है। अ बीजेपी कह रही है कि देवशर्मा जीतते हैं, तो संसद में नागांव डेडलपेट, प्रस्ताव और सुप्रीम कोर्ट पर पुस्तान लाएंगे। साथ गरीब अल्पसंख्यकों को जमीन पट्टा देंगे। एआईयूडीएफ अल्पसंख्यकों के अधिकारी, सुर और फेक एकाउंडर का मुद्दा उठा रहे हैं। पार्टी का आरोप है बीजेपी अल्पसंख्यकों को बांग्लादेश बतकर परेशान कर रही है।

नसीरुद्दीन शाह ने पीयूष मिश्रा पर कसा तंज, बोले- कैप्टन स्मित पर चुप क्यों, एलपीयू की घटना पर क्यों नहीं बोल रहे, सीजेपी प्रोटेस्ट में पहुंचे थे नसीरुद्दीन

मुंबई। मुंबई के शिवाजी पार्क में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने चीफ इलेक्शन कमिशनर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस प्रोटेस्ट में एक्टर नसीरुद्दीन शाह और संगीतकार विशाल ददलानी समेत कई हस्तियां शामिल हुईं। इसी बीच एक्टर पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह की अभिजीत दिपके से मुलाकात का जिक्र करते हुए देश के अन्य मुद्दों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने दुबई की फ्लाइट में 170 यात्रियों को जान बचाने वाले स्मिथ मच्छर की तारीफ करने और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) की घटना पर बयान देने की मांग की। पीयूष ने देश के अन्य मुद्दों पर नसीरुद्दीन शाह की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब नसीर साहब के हर बयान का वे खुद जवाब देंगे। 'फ्लाइट हादसे में जान बचाने वाले की तारीफ करें:- पीयूष मिश्रा ने अपने सोशल मीडिया वीडियो में नसीरुद्दीन शाह से कहा कि वे पुराने जानकार हैं। पीयूष ने हाल ही में फ्लाइट दुर्घटना की फ्लाइट 1073 में टले हादसे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्मित मच्छर नाम के व्यक्ति ने बहादुरी दिखाकर 170 लोगों की जान बचाई है। नसीर साहब को



यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि वहां छात्रों के साथ पुलिस कार्रवाई के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ। पीयूष ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि नसीरुद्दीन शाह ने कहा था कि उन्होंने जितना नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और एफटीआईआई में नहीं सीखा, उतना इन बच्चों से सीखा है। पीयूष ने पूछा कि ये बच्चे कब से एक्टिंग टीचर हो गए, नसीर साहब को इस पर भी मैसेज भेजकर अपनी संवेदना जतानी चाहिए। 'झारखंड में नज्म नहीं, आटा-दाल-रोटी चाहिए थी:-'

तो उन्होंने एक पाकिस्तानी शायरा की नज्म भेज दी थी। पीयूष ने कहा कि वहां के लोगों को किसी शायरा की नज्म नहीं, बल्कि आटा, दाल, रोटी, लिट्टी और चोखा चाहिए था। उन्हें कोई पिज्जा या बर्गर नहीं चाहिए था। पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह को साफ शब्दों में कहा कि अब वे जब भी कोई सार्वजनिक बयान देंगे, तो उन्हें पीयूष मिश्रा की तरफ से जवाब जरूर मिलेगा। उन्होंने खुद को नसीर साहब का पुराना जानकार बताते हुए 'इंकलाब जिंदाबाद' के साथ अपनी बात खत्म की। जंतर-मंत्र छात्र आंदोलन में भी भिड़े दोनों

एक्टर:- नसीरुद्दीन शाह और पीयूष मिश्रा के बीच यह विवाद नया नहीं है। इससे पहले दिल्ली में हुए नीट प्रोटेस्ट के दौरान नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड हस्तियों की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। पीयूष मिश्रा ने झारखंड प्रोटेस्ट में पहुंचकर नसीरुद्दीन शाह के एक बयान पर नाराजगी जाहिर कर उन पर कटाक्ष किया था। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह और अन्य सेलेब्स की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे। झारखंड प्रोटेस्ट में शामिल हुए पीयूष मिश्रा ने कहा था, 'नसीरुद्दीन शाह साहब, आपने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स के कुछ न कहने पर एक बात कही थी कि जिन कुत्तों के मुंह में हड्डी है वह नहीं बोलेगा। माफ करिएगा, मैं आपका प्रति पूरा सम्मान देकर पूछना चाहता हूँ कि इस वक्त वो कौन कुत्ते हैं, जिनके मुंह में हड्डी है।' नसीरुद्दीन शाह का पूरा बयान:- कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स की चुप्पी पर बात करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने द वायर से कहा था, सेलेब्स तब बोलेंगे, जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को बोलेगा। एक कहावत है कि जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी होती है, वो भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उसके मुंह से गिरेगी या दांत टूटेंगे, तब वो भौकेगा।

डीपफेक वीडियो पर भड़कीं जान्हवी कपूर, बोलीं- एआई का गलत इस्तेमाल यौन उत्पीड़न जैसा, जूनियर एनटीआर और चिरंजीवी का जताया आभार

मुंबई। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' के गाने 'चुड़ामल्ले' पर बने एआई जनरेटेड अश्लील

की प्राइवसी और सीमाओं का उल्लंघन करने से रोके। जूनियर एनटीआर और सीनियर एक्टरस का जताया आभार:-जान्हवी ने



(डीपफेक) वीडियो पर कड़ी नाराजगी जताई है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक बयान जारी कर उन्होंने तकनीक के इस गलत इस्तेमाल को यौन उत्पीड़न के बराबर बताया। जान्हवी ने कहा कि बिना मर्जी के महिलाओं का ऐसा कंटेंट बनाना उनकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने इस मुद्दे पर खुलकर बोलने और समर्थन देने के लिए अपने को-स्टार जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर को भी धन्यवाद कहा।

मॉर्फ वीडियो बनाने वालों को चेतावनी दी:- जूनियर एनटीआर ने मॉर्फ 'चुड़ामल्ले' वीडियो बनाने और उसे फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने लिखा कि 'चुड़ामल्ले' के इस मॉर्फ वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। मैं उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। अभिनेता ने लोगों से ऐसे कंटेंट को बढ़ावा नहीं देने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'मैं लोगों से अपील करता हूँ कि ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर प्रतिक्रिया दें। आज यह किसी और के साथ हुआ है, कल आपके मां, बहन, पत्नी या बेटी भी इसका शिकार हो सकती हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह बेहद गंभीर मामला है।' मैं सभी राज्य सरकारों और भारत सरकार से अपील करता हूँ कि एआई के गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त नियम बनाए जाएं और कार्रवाई की जाए।' विजय देवरकोंडा ने वीडियो पर नाराजगी जताई:-विजय देवरकोंडा ने 'चुड़ामल्ले' के डीपफेक वीडियो पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि वीडियो बनाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो गए हैं। विजय ने कहा कि एआई का इस्तेमाल लोगों की नोकरी जाने की चिंता के बीच इस तरह की बकवास के लिए किया जा रहा है। उन्होंने इस तरह के डीपफेक को डिजिटल रूप से यौन उत्पीड़न

के बराबर बताया और कहा कि कानून को ऐसे मामलों को बेहद गंभीरता से लेना चाहिए। चिरंजीवी ने भी वीडियो पर जताई नाराजगी:-साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी ने भी वीडियो पर जताई नाराजगी जताई। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने ऐसे कंटेंट को क्रूर, शर्मनाक और पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ किसी एक महिला या फिल्म से जुड़ा मामला नहीं है। आज किसी और के साथ हुआ है, कल यह आपके, मेरे या किसी जानने वाले के साथ भी हो सकता है। चिरंजीवी ने कहा कि ऐसे वीडियो बनाने और जानबूझकर उन्हें फैलाने वालों पर कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने इसे मजाक या मनोरंजन मानने से भी इनकार किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'चैबर', प्रोड्यूसर्स कार्टेसिल और इंडस्ट्री संस्थाओं के साथ मिलकर एक कमेटी और सपोर्ट सेल बनाने की बात कही। यह टीम साइबर क्राइम अधिकारियों के साथ काम करेगी। उन्होंने लोगों से वीडियो को देखने, डाउनलोड करने या शेयर करने के बजाय संबंधित प्लेटफॉर्म और साइबर क्राइम अधिकारियों को रिपोर्ट करने की अपील की। 'चुड़ामल्ले' गाना

कर रहे हैं। फिल्म 11 जून 2027 को रिलीज होने वाली है। कई सेलेब्स के एआई-जनरेटेड पोस्ट बने हैं:- गौरतलब है कि कई सेलिब्रिटी एआई-जनरेटेड कंटेंट का शिकार हो चुके हैं, जिनमें रश्मिका मंदाना, नोरा फतेही और माधुरी दीक्षित जैसे नाम शामिल हैं। मई 2026 में फेक एआई से बने वीडियो और तस्वीरों को लेकर साउथ एक्टरस रुक्मिणी वसंत भड़क गई थीं। रुक्मिणी ने एक्स अकाउंट पर एक नोट शेयर कर लिखा था, 'मेरी टीम और मैंने सोशल मीडिया पर कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें देखी हैं, जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि वो मेरी हैं।' मैं साफ कहना चाहती हूँ कि ये तस्वीरें पूरी तरह फर्जी और बनाई गई हैं। इस तरह की एडिटेड तस्वीरें बनाना और फैलाना बहुत गैरजिम्मेदाराना है। यह किसी की प्राइवसी का बड़ा उल्लंघन भी है।' उन्होंने आगे लिखा था, 'हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू की जा रही है।' मैं सभी लोगों से अपील करती हूँ कि ऐसे कंटेंट को शेयर न करें और न ही उसे बढ़ावा दें।' मई 2026 में ही माधुरी दीक्षित का एक रिवीलिंग ब्लैक ड्रेस वाला वीडियो वायरल हुआ



और फिल्म:-'चुड़ामल्ले' 2024 में आई एक्शन ड्रामा फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' का रोमांटिक गाना है। इसमें जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर नजर आए थे। यह गाना अपनी धुन और दोनों मुख्य कलाकारों की केमिस्ट्री के लिए लोकप्रिय हुआ था। 'देवरा: पार्ट 1' की कहानी:-कोरटाला शिवा के निर्देशन में बनी 'देवरा: पार्ट 1' की कहानी 1980 के दशक के एक तटीय गांव पर आधारित है। फिल्म में एक ताकतवर समुद्री योद्धा अवैध समुद्री तस्करी के खिलाफ खड़ा होता है। उसे पता चलता है कि इसकी वजह से निर्दोष लोगों को नुकसान हो रहा है। फिल्म में जूनियर एनटीआर, जान्हवी कपूर और सैफ अली खान ने अहम भूमिकाएं निभाईं। प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको भी फिल्म का हिस्सा थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'डूंगन' पर काम कर रहे हैं। इसका निर्देशन 'केजीएफ' और 'सालार' फेम प्रशांत नील

था, जिसे बाद में फैंक चैक और दिवटर (एक्स) के कम्प्यूनिटी नोट द्वारा एआई-जनरेटेड और पूरी तरह नकली घोषित किया गया। नवंबर 2023 में रश्मिका का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह काले रंग के कपड़ों में एक लिफ्ट के अंदर जाती हुई दिख रही थीं। यह वीडियो पूरी तरह फेक था। मूल वीडियो ब्रिटिश-भारतीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जारा पटेल का था। एआई डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके जारा के चेहरे की जगह रश्मिका का चेहरा लगा दिया गया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। जनवरी 2024 में नोरा फतेही का भी एक फेक वीडियो सामने आया था जिसमें एक ब्लोबिंग ब्रांड के एंडोर्समेंट के लिए उनके चेहरे और आवाज का गलत इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर इससे फर्जी होने की पुष्टि की थी।

ये लोग लिम्फैटिक वॉकिंग में बरतें सावधानी



होता है। दावा है कि इस तरह चलने से शरीर में जमा अतिरिक्त फ्लूइड कम करने में मदद मिलती है। इससे सूजन और ब्लोटिंग कम होती है। साथ ही वजन घटाने में भी मदद मिलती है। लेकिन किसी भी फिटनेस ट्रेड को अपनाने से पहले उसके दावों को सच्चाई जानना जरूरी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में 'लिम्फैटिक वॉकिंग' के हेल्थ बेनिफिट्स और इससे जुड़े दावों की सच्चाई समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि-लिम्फैटिक और सामान्य वॉकिंग में क्या फर्क है? लिम्फैटिक वॉकिंग का सही तरीका क्या है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संचय राॅय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- शरीर का लिम्फैटिक सिस्टम क्या है और यह क्या काम करता है? जवाब- लिम्फैटिक सिस्टम (लसीका तंत्र) बॉडी का एक ऐसा नेटवर्क है, जो बॉडी में फ्लूइड का संचालन बनाए रखता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को भी सपोर्ट करता है। लेकिन हाथ की तरह इसमें फ्लूइड को आगे बढ़ाने वाला कोई

को इकट्ठा करके वापस ब्लडस्ट्रीम में पहुंचाता है। लिम्फोसाइट्स को मदद से वायरस, बैक्टीरिया और दूसरे हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करता है। लिम्फ फ्लूइड को फिल्टर करके हानिकारक तत्वों से लड़ने में इम्यून सिस्टम की मदद करता है। छोटी आंत में मौजूद लिम्फैटिक वेसल्स डाइस्ट्री फैंट और विटामिन ए, डी, ई और के के अवशोषण में मदद करते हैं। सवाल- वॉकिंग और शरीर के लिम्फ फ्लो के बीच क्या संबंध है? जवाब- वॉकिंग के दौरान शरीर की मांसपेशियां लगातार सिकुड़ती और फैलती हैं। इससे लिम्फ वेसल्स पर दबाव पड़ता है और लिम्फ फ्लूइड को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही गहरी सांस लेने से सीने और पेट के अंदर प्रेशर में बदलाव होता है, जो लिम्फ फ्लो बनाए रखने में मदद करता है। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। लिम्फैटिक वॉकिंग के संभावित फायदे:-ओवरऑल हेल्थ सपोर्ट। तनाव और स्तुर्ती कम। मांसपेशियां एक्टिव ब्लड सर्कुलेशन बेहतर। पैरों की सूजन/भारीपन कम। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग के दौरान किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है? जवाब- इसे पॉइंट्स से समझिए-इस दौरान उतना ही तेज चलें, जितने शरीर पर जरूरत से ज्यादा दबाव न पड़े। आराम से गहरी सांस लें और छोड़ें, सांस रोककर न चलें। जबरदस्ती या बहुत तेज मूवमेंट

शुरुआत में 10-15 मिनट चलें। असहजता हो तो रुक जाएं। धीरे-धीरे वॉकिंग का समय बढ़ाएं। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग के क्या फायदे हैं? जवाब- इसे पॉइंट्स से समझिए-इससे लिम्फ फ्लो को सपोर्ट करता है। इसमें पैरों की मसल्स एक्टिव होती हैं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। लिम्फैटिक सिस्टम इम्यून सिस्टम का हिस्सा है। वॉकिंग इसके सामान्य कामकाज को सपोर्ट करती है। लंबे समय तक बैठे रहने के बाद हल्की वॉकिंग पैरों में भारीपन और असहजता कम करने में मदद करती है। लिम्फैटिक वॉकिंग के संभावित फायदे:-ओवरऑल हेल्थ सपोर्ट। तनाव और स्तुर्ती कम। मांसपेशियां एक्टिव ब्लड सर्कुलेशन बेहतर। पैरों की सूजन/भारीपन कम। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग के दौरान किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है? जवाब- इसे पॉइंट्स से समझिए-इस दौरान उतना ही तेज चलें, जितने शरीर पर जरूरत से ज्यादा दबाव न पड़े। आराम से गहरी सांस लें और छोड़ें, सांस रोककर न चलें। जबरदस्ती या बहुत तेज मूवमेंट

न करें। अपनी क्षमता के अनुसार धीरे-धीरे अवधि बढ़ाएं। वॉक से पहले और बाद में पर्याप्त पानी पिएं। असहजता हो तो चलना बंद कर दें। एक्ससाइज कोई भी हो, शरीर पर उसकी क्षमता से ज्यादा बोझ कभी नहीं डालना चाहिए। क्षमता धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए। इसलिए वॉकिंग के दौरान अपने हार्ट रेट और मसल मूवमेंट पर गौर करें। अगर थकान या असहजता हो तो तुरंत रुक जाएं। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग में किन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- आमतौर पर हल्की वॉकिंग सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन कुछ लोगों को इसे शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। ये लोग लिम्फैटिक वॉकिंग में बरतें सावधानी:- लिनके पैरों में दर्द, रेडनेस हो। जिन्हें हार्ट, लंग्स से जुड़ी बीमारी हो। जिनकी हाल में सर्जरी हुई हो। जिन्हें हाल में चोट लगी हो। जिनके शरीर में असामान्य सूजन हो। जिन्हें वॉकिंग के दौरान असहजता हो। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग वेट लॉस को कैसे सपोर्ट करती है? जवाब- यह वेट लॉस की कोई खास तकनीक नहीं है। हालांकि, रेगुलर वॉकिंग से कैलोरी बर्न होती है, फिजिकल एक्टिविटी बढ़ती है और मेटाबॉलिक हेल्थ को सपोर्ट मिलता है। इसे संतुलित खानपान और नियमित एक्सरसाइज के साथ वेट लॉस रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है। सवाल- क्या लिम्फैटिक वॉकिंग से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं? जवाब- नहीं, लिम्फैटिक वॉकिंग को शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने का तरीका नहीं मानना चाहिए। लिम्फैटिक सिस्टम अतिरिक्त फ्लूइड को ब्लडस्ट्रीम में वापस पहुंचाने और इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद करता है। सवाल- क्या लिम्फैटिक वॉकिंग से सूजन या पैरों में भारीपन कम हो सकता है? जवाब- हा, हल्की वॉकिंग से पैरों की मसल्स एक्टिव होती हैं, जिससे ब्लड और लिम्फ फ्लो को सपोर्ट मिलता है। लंबे समय तक बैठे रहने से होने वाले हल्के भारीपन या असहजता में इससे राहत मिलती है। हालांकि, लगातार या ज्यादा सूजन होने पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। सवाल- क्या लिम्फैटिक वॉकिंग के लिए कोई खास जूते, कपड़े या उपकरण की जरूरत होती है? जवाब- नहीं, इसके लिए किसी खास जूते, कपड़े या उपकरण की जरूरत नहीं होती। आरामदायक जूते और अच्छी फिटिंग वाले जूते पर्याप्त हैं। सवाल- लिम्फैटिक वॉकिंग कब और कितनी देर करनी चाहिए? जवाब- इसे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय कर सकते हैं। शुरुआत 10-15 मिनट से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। नियमित रूप से चलना ज्यादा जरूरी है। सवाल- क्या इसे सुबह खाली पेट करना जरूरी है? जवाब- नहीं, इसे अपनी सुविधा और शरीर की सहनशीलता के अनुसार किसी भी समय किया जा सकता है।

इनकम टैक्स रेड की खबरों पर भड़कीं रकुल प्रीत सिंह, बोलीं- मेरे ठिकानों पर नहीं हुई छापेमारी 20 साल की उम्र से ही भर रही हूं टैक्स

मुंबई। बॉलीवुड एक्टरस रकुल प्रीत सिंह ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर सख्त आपत्ति जताई है, जिनमें उनके ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी का दावा किया जा रहा था। रकुल ने सोशल मीडिया पर एक लंबा बयान जारी कर इन रिपोर्टों को 'झूठा, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण' बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आयकर विभाग की यह जांच या छापेमारी उनसे संबंधित नहीं थी। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर कर मीडिया पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि बिना तथ्यों की जांच किए बिना खबरों को सनसनीखेज बनाने का चलन दुःख है। उन्होंने कहा कि वे सभी के सामने सच रखना चाहती हैं कि जिस रेड का जिक्र किया जा रहा है, उसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। 'आर्म्ड फोर्स बैकग्राउंड से हूँ, 20 की उम्र से दे रही हूँ टैक्स'-अपनी सफाई में रकुल ने कहा कि वे एक आर्म्ड फोर्स (सशस्त्र बल) बैकग्राउंड से आती हैं और फिल्म इंडस्ट्री में उनका कोई गोंडफादर नहीं रहा है। उन्होंने कड़ी मेहनत से अपना नाम बनाया है और एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर 20 साल की उम्र से ही नियमित रूप से टैक्स

जमा कर रही हैं। रकुल ने आगे लिखा कि वे व्यक्तिगत रूप से या किसी भी प्रोडक्शन हाउस के जरिए किसी भी तरह के अवैध विदेशी लेन-देन में शामिल नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि देश या विदेश में कहीं भी उनके पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है और न ही वे ऐसे महंगे



उपहार स्वीकार करती हैं। 'कमाई के दबाव में किसी की साख न गिराई' :-फिल्म फाइनेंसिंग के नाम पर गड़बड़ी के आरोपों को खारिज करते हुए रकुल ने झूठी खबरें छापने वाले मीडिया संस्थानों से अपनी रिपोर्ट्स वापस लेने और सच सामने लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मीडिया हाउस चलाते के अपने व्यावसायिक दबाव हो सकते हैं, लेकिन यह किसी के सम्मान, अजीबक और तथ्यों की कीमत पर नहीं होना

चाहिए। 12 ठिकानों पर छापेमारी की खबर थी:-हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आयकर विभाग ने रकुल प्रीत सिंह और उनके ससुर व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। टीवी9 की रिपोर्ट में कहा गया था कि 28 सितंबर को संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और फिल्मों के नाम पर विदेश में धन भेजने के आरोपों की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई थी। हालांकि, इन छापों की खबरों पर वासु भगनानी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी। इस केस में आया था रकुल के भाई का नाम-रकुल प्रीत सिंह का परिवार पहले भी कानूनी विवादों में रह चुका है। दिसंबर 2025 में मुंबई पुलिस ने इस केस में रकुल के भाई अमन प्रीत सिंह की तलाश शुरू की थी। ड्रग लॉ एनफोर्समेंट फोर्स और वेस्ट जोन पुलिस ने दो ड्रग तस्करी को गिरफ्तार कर उनके पास से 43 ग्राम कोकीन और 11.5 ग्राम एमडीएमए जब्त किया था। जांच के दौरान आरोप लगा था कि अमन प्रीत सिंह ने उन तस्करी से पांच बार नशीले पदार्थ खरीदे थे। इस मामले में अमन की गिरफ्तारी भी हुई थी। रकुल प्रीत का नाम भी इस केस

में आ चुका:- इससे पहले रकुल का नाम भी इस केस में आ चुका है। सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस की जांच के दौरान इस के इस्तेमाल को लेकर रिया चक्रवर्ती ने पूछताछ में सारा अली खान और रकुल प्रीत का नाम लिया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41युपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNI.NO.UPHIN/2016/63398
www.anantaikaamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित सम्पत्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आरबी0 एक्टर के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पत्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।